हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 232 बेमेतरा, गुरुवार 16 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

महिलाओं को जमीन रजिस्ट्री में 50 प्रतिशत छूट-सीएम साय

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसका प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला किया। समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने के संबंध में यूसीसी का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया तथा समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए यूसीसी लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक

समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर यूसीसी का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके। मंत्रिपरिषद ने महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रूपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा।

आदिवासियों को होगा नुकसान, अधिकार छीनना चाहती है सरकार-दीपक बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आज राज्य सरकार ने अहम कदम उठाया है। साय कैबिनेट की बैठक में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला लिया है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। वहीं इस फैसले के बाद प्रदेश में सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने इसका विरोध करते हुए इसे आदिवासी अधिकारों के खिलाफबताया है। उन्होंने कहा कि यूसीसी के लिए कमेटी बनाने का निर्णय लिया है, कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। बीजेपी यूसीसी लागू करती है तो आदिवासियों के अधिकारों का हनन कर रही है। आदिवासियों के अधिकारों को यह समाप्त करना चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में लाइव कॉन्सर्ट में ड्रग्स ओवरडोज से दो छात्रों की मौत

मुंबई। शहर के युवाओं में बढ़ते ड्रग्स के इस्तेमाल की कड़वी सच्चाई एक बार फिर सामने आई है. पश्चिमी इलाके गोरेगांव में हुए एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान कथित तौर पर ड्रग ओवरडोज से दो स्टूडेंट की मौत की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. इस घटना से पूरे मुंबई में सनसनी फैल गई. इसके बाद पुलिस ने अपनी जांच तेजी से शुरू कर दी है. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 11 अप्रैल को गोरेगांव इलाके में एक बड़े पैमाने पर लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट ऑर्गनाइज किया गया था. इस इवेंट में लगभग 3,000 से 4,000 लड़के और लड़कियां शामिल हुए थे. रिपोर्ट बताती है कि इस कॉन्सर्ट के दौरान जोरदार म्यूजिक चल रहा था. शराब और ड्रग्स दोनों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ. इवेंट के दौरान कई नौजवानों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर बहुत ज़्यादा ड्रग्स ले लिए थे. इसके बाद दो जवान लड़कियों को तुरंत हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जबकि एक जवान लड़के को इलाज के लिए गोरेगांव वेस्ट के लाइफलाइन हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया.

राज्यसभा के उप-सभापति का चुनाव 17 अप्रैल को

नई दिल्ली। राज्यसभा के उप-सभापति पद के लिए 17 अप्रैल को चुनाव होगा. एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि डिप्टी चेयरमैन पद के लिए चुनाव 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे होगा. बयान में कहा गया, राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन का ऑफिस खाली हो गया है. सभापति ने काउंसिल ऑफ स्टेट्स (राज्यसभा) के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम के रूल 7 के तहत, डिप्टी चेयरमैन के पद के चुनाव के लिए शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026 की तारीख तय की है. राज्यसभा सचिवालय के एक नोटिफिकेशन में कहा गया है, चुनाव उस दिन पेपर्स/रिपोर्ट्स टेबल पर रखने के तुरंत बाद सुबह 11 बजे होगा. राज्यसभा के सदस्य गुरुवार, 16 अप्रैल को दोपहर 12 बजे तक डिप्टी चेयरमैन के पद के चुनाव के लिए प्रस्ताव का नोटिस दे सकते हैं.

सबरीमाला मंदिर महिलाओं की एंट्री मामले में

कोर्ट धार्मिक मान्यताओं पर कोई फैसला नहीं दे सकती

केरल/ एजेंसी

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को प्रवेश देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई चल रही है। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के वकील एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, किसी धर्म की प्रथा सही है या नहीं, यह उसी समुदाय की आस्था के आधार पर तय होगा। जज खुद यह तय नहीं करेंगे कि धर्म के लिए क्या सही है, क्या गलत।' उन्होंने कहा कि धर्म एक समूह या समुदाय की आस्था से जुड़ा है। इसलिए

कुछ लोगों (महिलाओं की एंट्री) के अधिकार को पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। इससे पहले 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिन सुनवाई के दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गईं। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।वहीं इससे पहले मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है।

भार्गव मलप्पा ने टेलीग्राम फिशिंग प्रयास को किया उजागर, बढ़ते साइबर धोखाधड़ी पर कड़ी कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। पीपल फोरम ऑफ इंडिया (एनबीएसएस) के राष्टीय उपाध्यक्ष भार्गव मलप्पा ने एक ही परिवार के कई सदस्यों को निशाना बनाकर किए गए संदिग्ध साइबर फिशिंग मामले की जानकारी दी है। इस संबंध में उन्होंने बढ़ते डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है। राष्टीय साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज आधिकारिक शिकायत के अनुसार, मलप्पा को 11 अप्रैल, 2026 को मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर एक संदिग्ध और अज्ञात लिंक प्राप्त हुआ। यही लिंक उनकी पत्नी और भाई को भी भेजा गया।

भगोड़ा नीरव मोदी का बच पाना मुश्किल!

लंदन पहुंची सीबीआई-कभी भी भारत लाया जा सकता है

देश में करोड़ों रुपये का घोटाला करके भागे नीरव मोदी को भारत लाने की प्रक्रिया अब अंतिम दौर में है. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस केस में कई बड़ी कानूनी अड़चनें लगभग खत्म हो चुकी हैं. इस बीच, खबर आई है कि सीबीआई की टीम लंदन पहुंच गई हैं. इससे संकेत माना जा रहा है कि नीरव मोदी को कभी भी भारत लाया जा सकता है. सीबीआई की एक विशेष टीम लंदन में है और प्रत्यर्पण की अंतिम तैयारियों को अंजाम दे रही है। माना जा रहा है कि नीरव मोदी जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा. पंजाब नेशनल बैंक

घोटाले के मुख्य आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को जल्द ही भारत वापस लाया जा सकता है.सूत्रों के मुताबिक उसके प्रत्यर्पण के मामले में कानूनी अड़चनें लगभग खत्म हो चुकी हैं. ब्रिटेन में उसके पास मौजूद करीब सभी बड़े कानूनी विकल्प खत्म हो चुके हैं. खबर है कि सीबीआई की एक स्पेशल टीम टीम लंदन पहुंच गई हैं. जिससे माना जा रहा है कि नीरव को कभी भी भारत लाया जा सकता है. सूत्रों के अनुसार, सीबीआई की टीम, जो इस समय लंदन में मौजूद है, ने ब्रिटेन के अधिकारियों और सीपीएस के साथ बैठक की है. इस बैठक का मुख्य मकसद नीरव मोदी के प्रत्यर्पण से जुड़ी आखिरी कागजी कार्रवाई और सुरक्षा इंतजामों को पुख्ता करना है.अधिकारी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रहे हैं.सीबीआई की टीम कल यानी गुरुवार (16 अप्रैल) को भारत वापस लौटेगी.

केजरीवाल ने उच्च न्यायालय में कहा

न्यायमूर्ति के बच्चे सरकारी वकीलों के पैनल में शामिल

नयी दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्णकांता शर्मा को उनके मामले में सुनवाई से अलग करने की मांग की है और एक हलफनामे में दावा किया है कि न्यायाधीश के बच्चे केंद्र सरकार के पैनल में शामिल वकील हैं और उन्हें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के माध्यम से काम मिलता है। केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में उन्हें बरी किए जाने के खिलाफ जांच एजेंसी की याचिका पर सुनवाई से न्यायमूर्ति शर्मा को हटाए जाने का अनुरोध करने संबंधी अपने आवेदन के सिलसिले में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर किया है। आवेदन में

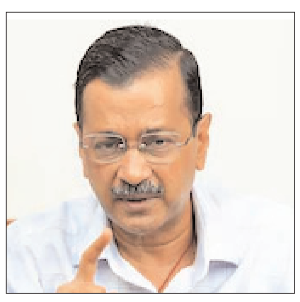

कहा गया है कि इसमें हितों का सीधा टकराव है, जिसने उनकी आशंका को 'और बढ़ा दिया' और यह सुनवाई से अलग करने के लिए आधार बनाता है। उन्होंने आगे मौखिक दलीलें और प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय देने का भी अनुरोध किया।

बंगाल में 15 सालों से चल रहा है कुशासन का बोलबाला: तेजस्वी सूर्या

सिलीगुड़ी। बंगाल में चुनावी रण देखने लायक है। हर ओर चुनाव प्रचार का शोर है। जहां देखों वहां सुबह, दोपहर, शाम व रात नेता वोट मांगते दिखे रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। भाजपा युवा मोर्चा के राष्टीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने उत्तर बंगाल दौरे के दौरान तृणमूल सरकार पर हमला बोला। तेजस्वी सूर्या ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले 15 वर्षों से कुशासन का राज चल रहा है, जिसे अब किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आज कहा कि आज की तारीख में पश्चिम बंगाल में स्थिति ऐसी बन चुकी है ।

कर्नाटक में पीएम मोदी

सिद्धारमैया ने गर्मजोशी से किया स्वागत गुरु भैरवैय्या मंदिर का किया उद्घाटन....

नई दिल्ली। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक के मांड्या में आदिचुनचनगिरी मठ के गुरु भैरवैय्या मंदिर का उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बेंगलुरु एयरपोर्ट पहुंचे. यहां कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उनका जोरदार स्वागत किया. इस दौरान पीएण मोदी ने मुख्यमंत्री से बातचीत की, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में पीएम मोदी को कांग्रेस नेता और सीएम के कान में कुछ कहते हुए देखा जा सकता है. समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान सिद्धारमैया ने एक पत्र लिखकर राज्य में लंबे वक्त से लंबित कम से कम 18 परियोजनाओं की और ध्यान आकर्षित किया, जिनमें रेलवे, जन जीवन मिशन, ग्राम पंचायतों को अनुदान, नेशनल हाईवे को सही करने जैसी मांगे शामिल हैं. मुख्यमंत्री ने केंद्र से इन सभी परियोजनाओं पर तत्काल मदद मांगी है. इसके बाद उन्होंने मांड्या पहुंचकर आदिचुंचनगिरी महासंस्थान मठ के श्री गुरु भैरवैय्या मंदिर का उद्घाटन किया और एक जनसभा को संबोधित किया. पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से नौ

सामूहिक संकल्प लेने की अपील की. पीएम ने कहा कि इन संकल्पों को अपनाकर हम तेजी से विकसित कर्नाटक और विकसित भारत की ओर बढ़ सकते हैं.उन्होंने पहली प्राथमिकता जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन को दी. इसके बाद 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण, सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता, स्थानीय उत्पादों के लिए 'वोकल फॉर लोकल' को मजबूत करने, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने, रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती अपनाने, मिलेट्स (मोटा अनाज) के जरिए स्वस्थ खानपान और योग-फिटनेस को अपनाने का आह्वान किया. पीएम ने कहा कि इन नौ संकल्पों पर ईमानदारी से चलकर हम तेजी से प्रगति कर सकते हैं. बता दें कि श्री गुरु भैरवैय्या मंदिर का निर्माण द्रविड़ वास्तुकला शैली में किया गया है।

प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को 35 लाख और घायलों को 15 लाख का मुआवजा किया घोषित

वेदांता पॉवर प्लांट बना 'मौत का प्लांट'20 मजदूरों की मौत,16 जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही

सक्ती। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पॉवर प्लांट में हुए भीषण हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। यह हादसा अब एक साधारण दुर्घटना न रहकर, मौत का प्लांट बन चुके औद्योगिक ढांचे की भयावह सच्चाई उजागर कर रहा है। इस दर्दनाक घटना में अब तक 20 मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 16 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें कई की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी लगातार जताई जा रही है। जिला कलेक्टर अमृत विकास टोपनो ने आधिकारिक रूप से 20 मौतों की पुष्टि की है। इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद प्लांट प्रबंधन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। खबर लिखे जाने तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। यह चुप्पी क्या केवल संयोग है, या फिर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश..? क्या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है..? ये सवाल अब हर किसी के मन में उठ रहे हैं, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और प्लांट की हेल्थ एंड सेफ्टी टीम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रशासन ने जांच और सख्त कार्रवाई का आश्वासन जरूर दिया है, लेकिन स्थानीय लोगों का

भरोसा डगमगाया हुआ है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं में अक्सर जांच केवल कागजों तक सीमित रह जाती है और दोषी बच निकलते हैं।घायलों को तत्काल रायगढ़ और रायपुर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पतालों में भर्ती मजदूरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन सीधे तौर पर प्लांट प्रबंधन को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि लंबे समय से प्लांट में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। स्थानीय मजदूरों और ग्रामीणों के मुताबिक, प्लांट में काम करने वाले मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते थे। मशीनों का रखरखाव भी नियमित रूप से नहीं होता था। कई बार इस संबंध में शिकायतें भी की गईं, लेकिन हर बार उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। सूत्रों की मानें तो कार्यस्थल पर बुनियादी सुरक्षा इंतजाम तक मौजूद नहीं थे। यदि समय रहते उचित सुरक्षा उपाय किए गए होते, तो शायद यह भयावह हादसा टाला जा सकता था।

बंगाल में मोदी-ममता पर बरसे राहुल

56 इंच वाले मुझसे आंखे नहीं मिला सकते हैं-राहुल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोर-शोर से चल रहा है. कांग्रेस के लिए वोट मांगने राहुल गांधी भी बंगाल पहुंचे. राहुल के निशाने पर भाजपा रही, लेकिन उन्होंने ममता बनर्जी और वामदलों पर भी हमले किये. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा और ऋस्स मिलकर भारत में लोकतंत्र को कमजोर करने में लगे हैं. राहुल गांधी ने आगे कहा कि 'आजकल आपने नरेंद्र मोदी का चेहरा देखा है? वो मेरी आंख में आंख नहीं मिला सकते हैं.

कोलकाता में पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान पहली रैली में राहुल गांधी ने संविधान और लोकतंत्र के मुद्दे पर बीजेपी और ऋस्स पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि भीमराव अंबेडकर, गांधी और नेहरू द्वारा दिए गए संविधान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है.

लोरमी में निकली भव्य नारी शक्ति वंदन पदयात्रा, महिला सशक्तिकरण का गूंजा स्वर

लोरमी/मूक पत्रिका

केंद्र सरकार की नारी शक्ति वंदन योजना के अंतर्गत भाजपा महिला मोर्चा द्वारा लोरमी नगर में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और सामाजिक-राजनीतिक सहभागिता को मजबूत करने के उद्देश्य से भव्य नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अंजना देवी दास ने किया। पदयात्रा की शुरुआत माता महामाया मंदिर से दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ठाकुर देव मंदिर में गरिमामयी समापन के साथ संपन्न हुई। पूरे मार्ग में महिलाओं ने जोश और उत्साह के साथ भाग लेते हुए जन-जागरण का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण से अब गांव की बेटियां भी दिल्ली तक पहुंचकर देश और प्रदेश की दिशा तय करेंगी। रत्नावली कौशल ने कहा कि यह पदयात्रा केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का अभियान है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति, किसान, श्रमिक और पिछड़े वर्ग की महिलाओं को शिक्षा, कौशल विकास, मुद्रा लोन, स्वयं सहायता समूह, स्टार्टअप और डिजिटल साक्षरता से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भाजपा महिला मोर्चा का प्रमुख लक्ष्य है।उन्होंने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले, मंडल और शक्ति केंद्रों में जागरूकता अभियान, विधिक साक्षरता शिविर, कौशल प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार मेलों का आयोजन लगातार किया जाएगा।जिलाध्यक्ष अंजना देवी दास ने कहा कि इस पदयात्रा को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला शिक्षित, सुरक्षित और स्वावलंबी नहीं होगी, तब तक विकसित भारत 2047 का संकल्प अधूरा रहेगा।पदयात्रा के दौरान महिलाओं ने ÷बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से बेटी बढ़ाओ÷, ÷नारी शक्ति जिंदाबाद÷ और ÷33त्न आरक्षण-महिला सम्मान÷ जैसे नारों से वातावरण को ऊर्जावान बना दिया।इस अवसर पर प्रदेश मंत्री शीलू साहू, जनपद अध्यक्ष वर्षा ठाकुर, मीडिया प्रभारी पूजा गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी सुशीला जायसवाल सहित महिला मोर्चा और भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बेमेतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: बिहार से ठगी का आरोपी गिरफ्तार, 5 लाख के जेवर बरामद

बेमेतरा/साजा/मूक पत्रिका

बेमेतरा पुलिस ने साइबर सेल एवं थाना साजा की संयुक्त टीम के साथ बड़ी कार्रवाई करते हुए धोखाधड़ी और ठगी के मामले में एक आरोपी को माधोपुर, जिला दरभंगा (बिहार) से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से ठगी किए गए सोने-चांदी के लगभग 5 लाख रुपये मूल्य के जेवरात बरामद किए गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी भागवत साहू (57 वर्ष), निवासी पिपरिया थाना साजा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बेटी को वैवाहिक जीवन में प्रताड़ित किया जा रहा था। इसी समस्या के समाधान के नाम पर ग्राम मोहतरा निवासी जालम दास कोशले ने उसे एक कथित तांत्रिक गोरखनाथ शक्ति बाबा से मिलवाया। आरोपी ने तंत्र-मंत्र और सिद्धि के नाम पर परिवार को झांसे में लेकर कई किश्तों में नकद 1 लाख 63 हजार 800 रुपये और सोने-चांदी के जेवरात ठग लिए। ठगी में मंगलसूत्र, झुमका, लॉकेट और चांदी की पायल सहित कुल लगभग 6 लाख 63 हजार 800 रुपये की संपत्ति हड़पी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में थाना साजा और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। जांच के दौरान आरोपी रविन्द्र कुमार देव (49 वर्ष) निवासी माधोपुर, थाना बहेरा, जिला दरभंगा (बिहार) का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो सोने के मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमका, एक सोने का लॉकेट और एक जोड़ी चांदी की पायल बरामद की है, जिसकी कुल कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी गई है।

आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी साजा निरीक्षक रोशन लाल टोन्डे, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक बनवारी लाल सोनकर सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा का 10वीं बोर्ड में शत-प्रतिशत परिणाम, विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल

शिक्षा में उत्कृष्टता का उदाहरण: डीएवी जांता बेमेतरा का शत-प्रतिशत रिजल्ट

बेमेतरा/जांता /मूक पत्रिका

बेमेतरा स्थित क्षेत्र के प्रतिष्ठित एवं एकमात्र सीबीएसई विद्यालय, डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए इस वर्ष कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय की इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है, वहीं विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिल रहा है। विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने इस गौरवपूर्ण सफलता पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने का प्रयास जारी रहेगा। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल शत-प्रतिशत परिणाम दिया, बल्कि उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम भी रोशन किया। परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में पुष्केश्वर निर्मलकर ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम

स्थान हासिल किया। वहीं सीताराम ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर दिनेश साहू ने 88.4 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके अलावा मोक्ष साहू ने 87.6 प्रतिशत अंक के साथ चतुर्थ तथा केशर चन्द्राकर ने 85.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पंचम स्थान प्राप्त किया।

प्राचार्य पी एल जायसवाल ने सभी छात्रों व पालकों को बधाई व शुभकामनाएं दिए, विद्यालय की इस उल्लेखनीय सफलता में समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी परीक्षा के लिए तैयार किया। इस उपलब्धि में विशेष योगदान देने वाले शिक्षकों में ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल, आयुषी जैन, अनिल चंदवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख, पुनम शर्मा, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू, ममता चंद्राकर, अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल, लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव, स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव,रितिका साहू, भारती, अन्नू चंद्राकर, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चंद्राकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव सहित अन्य समस्त शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे आगे भी इसी प्रकार मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने मिलकर इस सफलता का जश्न मनाया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की।

यह परिणाम न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है, जो यह दर्शाता है कि समर्पण, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

बेमेतरा में भूमि अर्जन प्रक्रिया के चलते प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण कार्यों पर रोक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कार्यालय कलेक्टर (भू-अर्जन शाखा), जिला बेमेतरा द्वारा दुर्ग पश्चिम अंतर्गत सड़क संपर्क योजना के तहत प्रस्तावित बायपास-टू-नवागढ़-मुंगेली - लोरमी कोटा-रतनपुर मार्ग के निर्माण हेतु भूमि अर्जन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस परियोजना के अंतर्गत मार्ग चौड़ीकरण के लिए 25 मीटर चौड़ाई में भूमि की आवश्यकता निर्धारित की गई है। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार, तहसील बेमेतरा के ग्राम सांवतवपुर, निनवा, डूंडा, हथमुड़ी, कंतेली, सिंघौरी, गस्ती चौक नयापारा एवं बेमेतरा सिग्नल चौंक तथा बेमेतरा नगर के वार्ड क्रमांक 11, 12, 13, 14, 16 एवं 17 सहित तहसील बेरला के ग्राम देवरबीजा, हड़गांव, भेड़नी, केछवई आदि क्षेत्रों में प्रस्तावित सड़क किनारे स्थित भूमि प्रभावित होगी। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इन क्षेत्रों में भूमि अर्जन की कार्यवाही प्रारंभिक प्रकाशन के चरण में है और समस्त राजपत्र गतिविधियों की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन में संबंधित क्षेत्रों में आगामी आदेश तक क्रय-विक्रय, नामांतरण, बंटवारा, निजी निर्माण कार्य एवं अन्य लेन-देन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जीने लायक सम्मानजनक वेतन की मांग मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :- नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों ने जीने लायक सम्मानजनक वेतन की मांग को लेकर आज नगर पंचायत कार्यालय पर प्रदर्शन कर नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। आज जारी एक प्रेस बयान में छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के इकाई अध्यक्ष रामकिशोर कोर्राम और महासचिव विष्णु यादव ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश में निकायों में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन बहुत ही कम है। अकुशल मजदूरों का दैनिक वेतन महज 410 रुपए है। महंगाई के इस दौर में महज ग्यारह हजार मासिक वेतन में स्वयं और परिवार का भरण पोषण करना असंभव है। इस संदर्भ में आज नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के बैनर तले प्लेसमेंट कर्मचारियों ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी के नाम एक पत्र प्रेषित किया गया। नेताओं ने कहा कि सम्मानजनक वेतन से उनका तात्पर्य है 1955 में श्रम सम्मेलन में जो न्यूनतम वेतन निर्धारित करने का माप दंड निर्धारित किया गया था उसे लागू करने से है। नेताओं ने स्पष्ट किया कि 1955 के श्रम सम्मेलन के मापदंड के आधार पर प्रत्येक अकुशल श्रमिक को मासिक 31 हजार 500 रुपए वेतन मिलना चाहिए। नेताओं ने ज्ञापन के बारे में विस्तारित जानकारी देते हुए बताया कि श्रम कानून का पालन करते हुए सभी कर्मचारी को सलाना बोनस भुगतान करने, सफाई कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश, प्रत्येक कर्मचारियों को एक वर्ष में 12 आकस्मिक अवकाश देने की भी मांग किया गया है। नेताओं ने कहा कि प्रदेश में निकायों में जंगल राज चल रहा है। कर्मचारियों को वेतन निर्धारित 10 तारीख को वेतन मिलने के बदले 20 से 25 दिन बाद वेतन मिलता है। ई एसआई कार्ड भी नहीं मिला है। कोई अवकाश भी कर्मचारी को नहीं मिलता है।

ज्ञापन में कर्मचारियों को बुनियादी अधिकार प्रदान करने की भी मांग किया गया है। आज के प्रदर्शन में विष्णू यादव, रामकिशोर कोर्राम, संदीप रावते, पीताम्बर कोर्राम, भक्त प्रहलाद सूर्यवंशी, मनोज जैन, यशवंत साहू, विजय सांगरी, रतन लाल खरीदें, राजेश मंडावी, राजे सिंह प्रमुख रूप से मौजूद थे।

रामबांधा तालाब की साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ, नपाध्यक्ष नामदेव की पहल रंग लाई

चांपा/मूक पत्रिका

नगर की सबसे बड़े व प्रमुख जलस्रोत रामबांधा तालाब की साफ-सफाई का कार्य आज से विधिवत रूप से प्रारंभ कर दिया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव सहित पार्षदगण, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। तालाब की सफाई का यह कार्य सीएसआर मद से कलेक्टर जन्मेजय महोबे के मार्गदर्शन में कराया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा बताया गया कि साफ-सफाई के बाद तालाब की जल गुणवत्ता में सुधार होगा तथा आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में नगर पालिका सीएमओ राम संजीवन सोनवानी सहित सभी पार्षदगण मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि रामबांधा तालाब नगर की पहचान है, इसके संरक्षण और स्वच्छता के लिए नियमित रूप से आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नगरवासियों ने तालाब की सफाई शुरू होने पर संतोष व्यक्त करते हुए नगर पालिका के इस प्रयास की सराहना की। नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव ने कहा कि लंबे समय से तालाब की सफाई की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उनके निरंतर प्रयास और पहल के परिणामस्वरूप आज यह कार्य प्रारंभ हो सका है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी नगर के सभी प्रमुख जलस्रोतों के संरक्षण और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। तालाब की सफाई शुरू होने पर नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नगर पालिका प्रशासन, विशेषकर अध्यक्ष प्रदीप नामदेव की मेहनत और पहल की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री भी निरंतर जिला प्रशासन के संपर्क में, मृतकों के परिजनों से संपर्क एवं सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी

वेदांता पावर प्लांट में हुए विस्फोटक घटना को लेकर मुख्यमंत्री निर्देश पर घायलों के बेहतर उपचार हेतु सक्ती कलेक्टर-एसपी मुस्तैद

सक्ति /मूक पत्रिका

सक्ति जिले के सिंघितराई स्थित वेदांता प्लांट में बॉयलर फटने से हुए भीषण हादसे के बाद जिला प्रशासन त्वरित रूप से सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय घटना एवं घायलों के उपचार को लेकर कलेक्टर अमृत विकास टोपनो तथा पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर से लगातार संपर्क में हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल भी लगातार स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और कलेक्टर के साथ समन्वय बनाए हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसपी तथा प्रशासन की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुँची और रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया गया। घायलों को प्राथमिकता के साथ रायगढ़ के फोर्टीस हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज एवं अपेक्स अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर उपचार हेतु रायपुर के कालड़ा अस्पताल रेफर किया गया। प्रशासन द्वारा घटनास्थल को बैरिकेड कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए।

कलेक्टर टोपनो ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार घायलों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क स्थापित किया जा रहा है। पोस्टमार्टम उपरांत पार्थिव देह को उनके गृहग्राम तक एम्बुलेंस के माध्यम से भेजने और तात्कालिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

हादसे में घायल अथवा प्रभावित श्रमिकों को पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक बिना उपस्थिति के वेतन देने पर भी सहमति बनाई गई है। कलेक्टर ने बताया कि मुआवजा राशि को लेकर देर रात तक चर्चा कर सहमति स्थापित की गई है। घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं तथा जांच टीम जल्द ही घटनास्थल का निरीक्षण करेगी। रेस्क्यू कार्य में एसडीआरएफ की टीम भी सक्रिय है।

मुख्यमंत्री द्वारा मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि की घोषणा की गई है। इसी प्रकार, प्रधानमंत्री द्वारा मृतकों के परिजनों हेतु 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की अनुग्रह सहायता स्वीकृत की गई है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने जानकारी दी कि इस हादसे में कुल 36 श्रमिक प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 17 की मृत्यु हो चुकी है तथा 19 घायल हैं, जिनका उपचार जारी है।

कंपनी प्रबंधन ने कहा है कि वे प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को 35 लाख रुपये की आर्थिक सहायता एवं रोजगार सहयोग, तथा घायलों को 15 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। घायलों को पूर्ण स्वस्थ होने तक वेतन जारी रहेगा और परामर्श (काउंसलिंग) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

विस्फोट के चपेट में आए मृतकों के नामः-

हादसे में मृतकों में छत्तीसगढ़ के 5, बिहार के 2, झारखंड के 3, पश्चिम बंगाल के 5 तथा उत्तर प्रदेश के 2 मजदूर शामिल हैं। मृतकों के नाम इस प्रकार हैं--

रितेश कुमार (सोनबर्शा, भागलपुर, बिहार),अमृत लाल पटेल (मंझापारा, डभरा, सक्ती, छत्तीसगढ़),थंडा राम लहरे (मालखरौदा, सक्ती, छत्तीसगढ़),

तरुण कुमार ओझा (सिंदरी, धनबाद, झारखंड),आकिब खान (दरभंगा, बिहार),

सुसांत जना (पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल),अब्दुल करीम (झारखंड),

उधव सिंह यादव (रायगढ़, छत्तीसगढ़),

शेख सैफुद्दीन (हल्दिया, पश्चिम बंगाल),

पप्पू कुमार (सोनभद्र, उत्तर प्रदेश),

अशोक परहिया (पलामू, झारखंड),

मनस गिरी (पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल),बृजेश कुमार (सोनभद्र, उत्तर प्रदेश),रामेश्वर महिलांगे (जांजगीरङ्कचांपा, छत्तीसगढ़),कार्तिक महतो (पुरुलिया, पश्चिम बंगाल),नदीम अंसारी (सक्ती, छत्तीसगढ़),शिबनाथ मुर्मू (पुरुलिया, पश्चिम बंगाल)।

प्राधिकृत अध्यक्ष और कर्मचारी के बीच धक्का-मुक्की, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

खैरझिटी सेवा सहकारी समिति में विवाद से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में हाल ही में गठित नई सेवा सहकारी समितियों के बीच विवाद का एक मामला सामने आया है। सेवा सहकारी समिति मर्यादित खैरझिटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें प्राधिकृत अध्यक्ष मोहन वर्मा और समिति के कर्मचारी नरेश साहू के बीच धक्का-मुक्की होती स्पष्ट दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, बीते बुधवार को बेमेतरा जिले में कुल 38 नई सेवा सहकारी समितियों का गठन किया गया। इसी क्रम में खैरझिटी समिति में स्टाफ वितरण को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि अध्यक्ष और कर्मचारी के बीच सार्वजनिक रूप से धक्का-मुक्की की स्थिति निर्मित हो गई। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बन गया है। किसानों और मौके पर उपस्थित लोगों के बीच इस घटना को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि किसी शासकीय कर्मचारी के साथ इस प्रकार का व्यवहार अशोभनीय है और इससे समिति की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। वायरल वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि कुछ कर्मचारियों द्वारा बीच-बचाव किए जाने के बावजूद प्राधिकृत अध्यक्ष शांत होते नहीं दिख रहे हैं। इससे समिति के भीतर लंबे समय से चली आ रही तनातनी और मनमानी की आशंका भी जताई जा रही है। यह घटना समिति के प्रशासनिक माहौल और आपसी समन्वय पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। फिलहाल मामले को लेकर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भटगांव पुलिस की बड़ी कार्यवाही, पशु तस्करी करते 04 लोग गिरफ्तार

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के निर्देशन पर,अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रख कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है, कि थाना प्रभारी उप निरी. शिवकुमार धारी की नेतृत्व में दिनांक 13,04,2026 को प्रार्थी :-? प्रियव्रत स्वार्णकार पिता पुरूषोत्ताम लाल स्वार्णकार उम्र 29 वर्ष निवासी रायगढ रोड वार्ड नं.3 सारंगढ थाना सारंगढ जिला सारंगढ - रिपोर्ट दर्ज कराया कि आज दिनांक 13-04-2026 को बिलाईगढ से अपना घर सारंगढ जा रहा था। भटगांव थाना के जमगहन के पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा था, कि चुरेला तरफसे बहुत सारा मवेशी/बैल को भटगांव की ओर ले जा रहे हैं,जो संभवताः बुचड़खाना के ?लिए लेकर जाना प्रतीत होने पर मवेशी को मेन रोड जमगहन में कुछ लोग कृषि योग्य बैलों को पैदल हांकते हुए ले जा रहे थे,उन लोगों से पूछा तो अपना अपना नाम डुमलाल साहू पिता नेहरूलाल निवासी सोनियाडीह भटगांव 02 फुलेश्वर बंजारे पिता रामलाल बंजारे निवासी गगोरीटांडा सरसीवां 03. सीताराम पटेल पिता रामलाल पटेल पता बेलादुला सरसीवां 04. नीलमणी साहू पिता मुकुतराम साहू निवासी कैथा बिलाईगढ 05. परदेशी यादव गिरसा का बताया है पूछताछ पर ?बिलासपुर जिले के जोंधरा बाजार से खरीद कर लाना और गिरसा बाजार बेचने हेतु ले जाना बताए खरीद बिक्री के संबंध में कोई वैध दस्तुवेज नहीं होना बताया गिरसा बाजार में दुसरे राज्य के मवेशी को कत्ल करने हेतु बुचड़ खाना ले जाते हैं,उपरोक्त लोगों के द्वारा भी परिवहन कर रहे मवेशी/बैल (37नग) जवान व अधेड़ उम्र के बैलों को कत्लखाना ले जाने हेतु परिवहन कर रहे है,आय दिन इस तरह गौवंश की हत्या करने के लिए परिवहन कर व्या पारियों द्वारा गौवंश की हत्या करने के लिए परिवहन कर व्यापारियों को बेचते है,उपरोक्त लोगों के द्वारा 37 नग बैल को बुचड़खाना ले जाने हेतु परिवहन कर रहे हैं,कि रिपोर्ट पर अपराध धारा 4,6,10 छ.ग.कृषिक पशु परिरक्षण अधि. 2004 कायम कर विवेचना में लिया गया तथा 37 नग बैल को मुताबिक जप्ति पत्रक के समक्ष गवाह के जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर मान.न्या. पेश किया गया मान.न्यायालय न्यायिक रिमांड में उप जेल सारंगढ़ भेजा गया।

लोधियाखपरापाली मार्ग निर्माण का भूमिपूजन सम्पन्न, जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बरमकेला ब्लॉक के लोधिया से खपरापाली तक प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आज विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे आयोजन में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोधिया ग्राम पंचायत के उपसरपंच नारायण पटेल ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में गोबरसिंहा सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष मुरलीधर पटेल एवं लोधिया सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष जितेंद्र नायक शामिल रहे। इस अवसर पर अजा. मोर्चा अध्यक्ष जगेश चौहान, प्रमोद पाणिग्राही, दयाराम पटेल, राजाराम पटेल, लक्ष्मण पटेल, जगदीश पटेल, शिव पटेल, गणेश पटेल ,सूरज पटेल,जीतू चौहान सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि इस सड़क के निर्माण से लोधिया और खपरापाली के बीच आवागमन सुगम होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। ग्रामीणों ने भी इस कार्य के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ किया गया।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किया चेकडेमो एवं नाला निर्माण का निरीक्षण

कलेक्टर ने पंचायत अमला को मनरेगा कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

जल संरक्षण से सुधरेगा जल स्रोत का स्तर, चेकडेम और नाला के आसपास हमेशा मिलेगा पानी

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जल संरक्षण के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बुधवार को सारंगढ़ विकासखंड के चेकडेमों और नाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का अवलोकन किया। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। ग्राम पंचायत अमझर में झिटकी नाला पर बने सामुदायिक सीसी चेकडेम के निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने कलेक्टर को जानकारी दी कि, अब पानी रुकने लगेगा, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए लाभ मिल सकेगा। सरपंच रेशम लाल ने कहा कि इससे लगभग 200 एकड़ खेतों को पानी मिलेगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों को श्रमदान एवं साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद माड़ोसिल्ली डेम से जुड़े 180 मीटर लंबाई के सिंचाई नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस नाली से किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत अमलीपाली (ब) के तेन्दुदरहा में निर्मित सामुदायिक सीसी चेकडेम में पहले अस्थायी व्यवस्था से पानी रोका जाता था, लेकिन अब स्थायी समाधान मिलने से खेती में सुविधा मिलेगी। अंत में ग्राम पंचायत बटाऊपाली में चेकडेम निर्माण का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने नाला के सामने जमें मिट्टी को हटाने के निर्देश दिए, ताकि जल प्रवाह बाधित न हो। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण, जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, एपीओ शशिकांत गुप्ता सहित अन्य अधिकारी, सरपंच आदि उपस्थित रहे।

नायब तहसीलदार खोम्मन लाल ध्रुव ने सीएससी केंद्र संचालको के साथ किया बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ. कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर नायब तहसीलदार खोम्मन लाल ध्रुव ने सारंगढ़ में सीएससी केंद्र संचालको के साथ बैठक किया। बैठक में आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र के लिए आवश्यक दस्तावेज को स्पष्ट स्कैन करने का निर्देश दिए गए। इसके साथ ही ध्रुव ने कहा कि, महतारी वंदन योजना अंतर्गत निशुल्क फॉर्म सबमिट करें। किसी भी सेंटर की शिकायत होने पर जांच कर कठोर कार्यवाही किया जाएगा।

पीएम आवास योजना के 41 हितग्राहियों की सूची निरस्त करने की मांग, कांग्रेस पार्षद दल ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर नगर पालिका परिषद कांकेर में ए.एच.पी. (प्रधानमंत्री आवास योजना) के अंतर्गत चयनित 41 हितग्राहियों की सूची को निरस्त करने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्षद दल नेता प्रतिपक्ष सरदार अजय सिंह रेनू के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि शासन द्वारा गरीब एवं आवासहीन लोगों के लिए ए.एच.पी. आवास योजना संचालित की जा रही है। इसी क्रम में पूर्व में कांग्रेस शासनकाल के दौरान नगर पालिका की सामान्य सभा की बैठक में 128 हितग्राहियों का चयन किया गया था। चयनित हितग्राहियों से निर्धारित 75,000 रुपये की राशि विभिन्न किश्तों में परिषद में जमा भी कराई गई थी, लेकिन चयन के बाद भी उन्हें मकान आवंटन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। कांग्रेस पार्षद दल का आरोप है कि वर्तमान में नगर पालिका परिषद में भाजपा की सत्ता स्थापित होने के बाद अध्यक्ष द्वारा पूर्व में चयनित 128 हितग्राहियों की सूची को निरस्त कर नया आवेदन मंगाया गया और पीआईसी की बैठक में नियम विरुद्ध निर्णय लेते हुए अपने चहेतों, पार्षदों के रिश्तेदारों, नगर पालिका कर्मचारियों के रिश्तेदारों तथा शहर से बाहर के लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 41 हितग्राहियों का चयन किया गया है। नेता प्रतिपक्ष सरदार अजय सिंह रेनू ने कहा कि ए.एच.पी. आवास योजना में पहले 75,000 रुपये लेकर हितग्राहियों को आवास आवंटित किया जाना था, लेकिन वर्तमान में 3,90,000 रुपये की लागत से बनने वाले मकानों के लिए योजना लागू कर दी गई है, जो शहर में 15 वर्षों से अधिक समय से रह रहे गरीब, आवासहीन तथा किराएदारों के लिए बताई जा रही है। उनका आरोप है कि योजना के लिए प्राप्त आवेदनों में से 41 हितग्राहियों का चयन पीआईसी के पदाधिकारियों द्वारा नियम विरुद्ध और अवैधानिक तरीके से मनमानी करते हुए किया गया है।

15 नवीन सहकारी समितियों का मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल शुभारंभ

सारंगढ़-बिलाइगढ़/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप द्वारा प्रदेश की 515 नवीन समितियों के साथ सारंगढ़-बिलाइगढ़ जिले की 15 नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का वर्चुअल शुभारंभ किया गया। दोपहर 2 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और किसानों की गरिमामय उपस्थिति रही।सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के 15 नवीन समितियां जैसे भड़िसार, बोहराबहाल, गौरडीह, अमुर्रा, बरगांव, धनीगांव, बोईरडीह, सेन्दुरस, मढाईभांठा, धारासीव, सालिहाघाट, पचरी, देवसागर, रोहिना एवं टाटा को नई समिति के रूप में प्रारंभ किया गया है।

किसानों को होने वाले प्रमुख लाभ-किसानों को अब खाद, बीज और कृषि ऋण के लिए किसानों को लंबी दूरी तय नहीं करनी होगी। धान खरीदी केंद्रों की नजदीकी से किसानों के समय और परिवहन व्यय (किराया) की बचत होगी। नई समितियों के गठन से ऋण वितरण और पंजीयन जैसी प्रक्रियाओं में तेजी आएगी। ?इस अवसर पर उपस्थित किसानों और जनप्रतिनिधियों ने शासन के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर सारंगढ़ में प्रमुख जन गोष्ठी संपन्न, 'राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका' पर हुआ मंथन

सारंगढ़-बिलाइगढ़/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा पुष्प वाटिका में एक गरिमामयी प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। बुधवार, 15 अप्रैल 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ प्रांत के सह प्रांत प्रचारक नारायण नामदेव जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विषय 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष(शून्य से शतक)' रहा।

संघ के 100 वर्ष: संघर्ष और सेवा की यात्रा -मुख्य वक्ता श्री नारायण जी नामदेव ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में संघ की स्थापना से लेकर अब तक की 100 वर्षों की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷संघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक अविरल साधना है। शताब्दी वर्ष हमारे लिए संकल्प का वर्ष है, जहाँ प्रत्येक स्वयंसेवक को समाज के हर वर्ग के साथ जुड़कर राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए कार्य करना है।÷ उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन जैसे विषयों पर भी बल दिया।

अतिथियों का सम्मान और गरिमामयी उपस्थिति -कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गुरुमाता सेत बाई रामनामी जी (अध्यक्ष, रामनामी समाज, छत्तीसगढ़ केंद्र चंदलीडीह) रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में समाज और संस्कृति के संरक्षण में संघ के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संघचालक डॉ. फिरत राम निराला जी ने की। इस अवसर पर जिला संघचालक जी द्वारा मुख्य अतिथि गुरुमाता सेत बाई रामनामी जी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले के गणमान्य नागरिक, प्रमुख जन और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। **वंदे मातरम के साथ समापन** -कार्यक्रम का संचालन विधिवत पद्धति के साथ किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। गोष्ठी के पश्चात उपस्थित जनों ने राष्ट्रहित के कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

बिलाईगढ़ मुख्यालय में ऐतिहासिक बाईक रैली,कोने-कोने मे गूंजा बाबा की संदेश

पुर्व संसदीय सचिव चन्द्रदेव राय बिलाईगढ़ विधानसभा में 15 जगहों पर डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा मे माल्यार्पण किया

बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ विधानसभा मे संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 135वी जयंती के अवसर पुर्व संसदीय सचिव बिलाईगढ़ पुर्व विधायक चन्द्रदेव राय का बिलाईगढ़ विधानसभा में दौरा कार्यक्रम रहा,जिसमें बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए लगभग 15 जगहों पर आमंत्रित रहे,कई जगहों पर सहभागिता का अहम भूमिका भी निभाई। जिसके बाद सैकड़ों की संख्या में बिलाईगढ़ मुख्यालय में ऐतिहासिक बाईक रैली करके सभा संगोष्ठी का आयोजन किया और बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुचाया।उसके बाद जनपद मुख्यालय में अष्टधातु से निर्मित डॉ अंबेडकर जी का स्टैच्यू जिसे अपने सर्विस कार्यकाल मे अपने द्श्वद्ध फंड में मिलने वाली राशि से अपने पिता स्व.श्री राम राय जी के स्मृति में स्थापित किया गया हैं,इसके सहित विधानसभा क्षेत्र में 36 जगहों पर गाँव,नगर में भारत रत्न, सविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के प्रतिमा का अनवरण किया है,जिसे लेकर क्षेत्रवासी व सतनामी समाज खुश है,जिसको लेकर विकास पुरुष चन्द्रदेव राय गुरुजी पूर्व विधायक को लोग हमेशा याद रखेंगे, तत्पश्चात डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ तहेदिल से नमन करके बाबा का पुजा-आर्चना कर माल्यार्पण किया,

जिसमें बाबा साहब के जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान तथा भारतीय संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।पुर्व ससंदीय सचिव चन्द्रदेव राय ने कहा,कि बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने सदियों से दलितों, शोषित, वंचित और पीड़ित समाज को संविधान के माध्यम से अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। बाबा साहब का संघर्ष केवल एक व्यक्ति का संघर्ष नहीं था,बल्कि पूरे समाज को बराबरी दिलाने का आंदोलन था,जिसे आज आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। और आज देश में संविधान की मूल भावना–समानता, न्याय और भाईचारा–सबसे ज्यादा खतरे में है। लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है,और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों को योजनाबद्ध तरीके से खत्म करने की कोशिश हो रही है। यह स्थिति बेहद गंभीर है,और इसके खिलाफ आवाज उठाना जरूरी है।सामाजिक न्याय की लड़ाई आज भी अधूरी है, और जब तक दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज को उनका पूरा हक और सम्मान नहीं मिल जाता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके सपनों को साकार करने के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे।

घरघोड़ा में राखड़ का काला खेल मंत्री के वादे हवा सारडा एनर्जी के डंपर जवां

रायगढ़/घरघोड़ा/मूक पत्रिका

विधानसभा के भीतर जब सदन की कार्यवाही चलती है तो जनता को लगता है कि उनके हक की रक्षा के लिए कानून बन रहे हैं। लेकिन रायगढ़ जिले के घरघोड़ा में जो मंजर है वह यह बताने के लिए काफी है कि सत्ता के गलियारों में दिए गए आश्वासन और धरातल की हकीकत के बीच फ्लाई-ऐश का गहरा काला साया है।?आखिर किसका है संरक्षण।?हाल ही में सदन में पक्ष विपक्ष के बीच फ्लाई ऐश निपटान को लेकर तीखी नोकझोंक देखने को मिली। प्रदेश के वित्त मंत्री ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए बड़े ही कड़े लहजे में कहा था कि जिले में मॉडल स्ह्वक्क लागू है। उन्होंने दावा किया था कि वन भूमि और कृषि भूमि पर फ्लाई-ऐश का निपटान पूरी तरह प्रतिबंधित है। लेकिन क्या मंत्री जी को पता है कि उनके आदेशों की राख बनाई जा रही है घरघोड़ा में सारडा एनर्जी द्वारा हजारों टन फ्लाई ऐश को आवंटित कृषि भूमि पर धड़ल्ले से खपाया जा रहा है।

क्या सरकारी जमीन अब सिर्फ कचरा दान है ?बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या घरघोड़ा की शासकीय और आवंटित भूमि केवल उद्योगों के कचरे को ठिकाने लगाने के लिए बची है प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों को दरकिनार कर राखड़ की डंपिंग जारी है। जिस भूमि पर राखड़ डाली जा रही है उससे लगी हुई खेतों में स्थानीय किसान सालों से खेती कर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। फ्लाई-ऐश की बारीक धूल न केवल जमीन की उर्वरता खत्म कर रही है बल्कि आने वाले समय में इन खेतों को बंजर बनाने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

मौन प्रशासनः-डर या साठगांठ-हैरानी की बात यह है कि दिन रात सैकड़ों डंपर नियमों को कुचलते हुए गुजर रहे हैं लेकिन स्थानीय प्रशासन ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है। क्या अधिकारियों को यह नहीं दिख रहा कि जिस कृषि भूमि पर हरियाली होनी चाहिए वहां जहरीली राख का पहाड़ खड़ा किया जा रहा है यह केवल औद्योगिक कचरे का निपटान नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य और पर्यावरण का कत्ल है। अगर वित्त मंत्री की घोषणा के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही तो क्या यह माना जाए कि सारडा एनर्जी जैसे उद्योग शासन-प्रशासन से ऊपर हैं

आगामी संकट की दस्तक-अगर जल्द ही इस राखड़ राज पर लगाम नहीं कसी गई तो घरघोड़ा का जलस्तर और जमीन दोनों ही जहरीले हो जाएंगे। किसान अपनी जमीन से हाथ धो बैठेंगे और क्षेत्र में गंभीर बीमारियां पैर पसार लेंगी। अब देखना यह है कि प्रशासन कब अपनी कुंभकर्णी नींद से जागता है या फिर यह काला खेल ऐसे ही जारी रहेगा।

संपादकीय

युद्धविराम या नई जंग की शुरुआत?

सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है।पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे संकट के बीच यह पहला मौका था, जब ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी। मगर इजराइल ने बुधवार को ही जिस तरह लेबनान पर हमला किया, उससे साफ है कि युद्धविराम में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। गौरतलब है कि लेबनान पर इजराइली हमले में दो सौ से ज्यादा आम लोग मारे गए।विचित्र है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका और इजराइल साझा मोर्चे के तहत हमले कर रहे थे, लेकिन जब दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी, तो उसे ठोस आकार देने के बजाय इजराइल ने समझौते को तोड़ने की पृष्ठभूमि बनानी शुरू कर दी। जबकि इस बीच इजराइल और अमेरिका की ओर से जिस तरह की बेलगाम बयानबाजियां जारी रहीं, उससे पहले ही हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई थी। विडंबना यह भी है कि लेबनान पर इजराइल के हमले के बाद अब ईरान ने फिर से होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की घोषणा की है।निश्चित रूप से ईरान के इस रुख को उसकी प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि इस समूचे परिदृश्य में किसी भी पक्ष की जिद और अकड़ का नतीजा क्या निकल रहा है! इजराइल और अमेरिका ने जिस दिन ईरान पर साझा हमला किया था, तभी से यह आशंका बनी हुई थी कि इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद ईरान ने स्वाभाविक ही रणनीति के तहत होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर दिया और उसके बाद दुनिया के ज्यादातर देशों में प्राकृतिक तेल और गैस की आपूर्ति रुक गई। जिन देशों के पास इसके विकल्प थे, वहां के हालात अपेक्षया नियंत्रण में रहे, लेकिन भारत सहित बहुत सारे ऐसे देश हैं, जहां पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस का संकट पैदा हो गया और आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।ऐसे में युद्धविराम की घोषणा के बाद यह उम्मीद जगी थी कि अब होर्मुज जलमार्ग के खुलने से जहाजों की आवाजाही का रास्ता खुलेगा और स्थिति सुधरेगी। मगर लेबनान पर इजराइल के ताजा हमले में जिस तरह बड़े पैमाने पर आम लोगों की मौत की खबर आई है और उसके बाद ईरान ने जैसी प्रतिक्रिया दी है, उससे एक बार फिर शांति की उम्मीदों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।सवाल है कि अगर युद्धविराम की शर्तों में लेबनान पर भी इजराइली हमले रोकना शामिल था, तो इस पर अमल के बजाय इसे ताक पर रख कर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है। यही नहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो इजराइल फिर से ईरान के खिलाफ लड़ाई शुरू करेगा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस भड़काऊ लहजे में बात कर रहे हैं, उसे कैसे देखा जाएगा?हैरानी की बात है कि ट्रंप युद्धविराम और उसकी शर्तों पर सहमति जताने के बाद लेबनान पर हमले के मसले को समझौते से अलग बताते हैं। क्या इसे शांति के लिए हुई पहलकदमी को कमजोर करने की तरह नहीं देखा जाएगा? दूसरी ओर, ईरान ने कहा कि युद्धविराम और इजराइल के जरिए जंग, दोनों साथ नहीं चल सकते। ऐसे में यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि युद्धविराम कितने दिनों तक बना रहेगा।यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पश्चिम एशिया के इस युद्ध का खमियाजा दुनिया के ज्यादातर देश उठा रहे हैं और अगर स्थायी युद्धविराम का रास्ता नहीं निकाला गया, तो इसके विपरीत असर को संभालना मुश्किल हो जाएगा।

'रील सच, रियल भ्रम' - घटता धैर्य और सिमटता वक्त, नए दौर में बदलती जिंदगी

डिजिटल मीडिया तक आसान पहुंच के कारण, किशोर और युवा इस प्रकार की लत का शिकार हो रहे हैं। मौजूदा दौर में अगर लोगों की व्यस्तता पर गौर किया जाए, तो ऐसा लगता है कि ज्यादातर आबादी काम के बोझ से दब चुकी है और हर वक्त किसी बहुत जरूरी काम को पूरा करने में लगी हुई है। सच यह है कि व्यस्त दिखती यह आबादी अपने मोबाइल में और उसके भीतर सोशल मीडिया पर फैले रील के जंजाल में खोई लगती है। उठते-बैठते, चलते-फिरते, यहां तक कि जरूरी विमर्श और बैठकों में भी आदमी बेमतलब ही स्मार्टफोन की स्क्रीन में गुम दिखता है, रील में डूबता-उतराता रहता है। हालत यह है कि रील को लेकर ज्यादा संवेदनशील लोग दाह-संस्कार जैसे अवसरों पर भी रील पर अंगुलियां चलाते रहते हैं। मानो घटनाओं का रील में होना जरूरी हो गया है। व्यक्ति की छोटी से छोटी निजी घटनाएं भी सोशल मीडिया पर डाल दी जाती हैं। घर के दरवाजे से बाहर निकलते हुए फिसल जाने की निजी घटनाओं के भी वीडियो बनाए जाते हैं। दरअसल, रील बनाना प्रसिद्धि बटोर लेने का साधन बन गया है। बल्कि इसके लिए घटनाएं बनाई जा रही हैं। फिल्मों की कतरनें डाली जा रही हैं।

(राकेश सोहम्)

सोशल मीडिया के जरिए दुनिया पर छा जाने का चलन नया नहीं है। रुपहले पर्दे के कलाकार रील की बदौलत दुनिया को आकर्षित करते रहे हैं। एक जमाना था, जब सिनेमा ही मनोरंजन के साधन हुआ करते थे। फिल्म कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा उसकी रील की लंबाई से लगाया जाता था। दर्शक सिनेमाघरों में टिकट खरीदते हुए पूछते थे कि यह फिल्म कितनी रील की है! जवाब में अगर सोलह रील सुनाई देता, तो लोग खुश हो जाते। अपने जमाने की सुपर हिट फिल्म 'शोले' तेईस रील की थी और उसकी कुल अवधि दो सौ चार मिनट थी। दर्शक तीन घंटे चौबीस मिनट सिनेमाघरों में सांस साधे बैठा रहता था।

हर इंसान के पास समय की कमी का रोना रो रहा है

अब हर व्यक्ति समय की भारी कमी बताता दिखता है। इसलिए एक से डेढ़ घंटे की फिल्में चलन में आ गई हैं। समय के साथ धैर्य भी घटा है। वह धैर्य मात्र तीस सेकंड की रील में सिमटता प्रतीत हो रहा है। एक रील समाप्त हुई नहीं कि लोग अगली रील पर बढ़ जाते हैं। अब हालत यह है कि उकसाने वाली रील का एक नया शगल शुरू हो गया है। इनके लिए निजता को भुनाया जा रहा है। एक ओर ऐसी गतिविधियों में लिप्त होने वालों की भरमार है और दूसरी ओर इनमें खोए लोगों की भी भीड़ है, जो निजी बेचैनी में चैन तलाशने का यत्न संजोती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आने से रील की लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है। स्थिर छाया चित्रों का रील में समावेशीकरण चलन में आ गया है। लेखक और रचनाकार अपनी रचनाओं की कतरनें और छाया चित्र ऐसे छोटे वीडियो में डालते हैं, ताकि रील दर रील सरकाने की दौड़ में स्थिर छाया चित्रों को एक झलक का स्थान मिल सके। स्थिर छाया चित्रों के पीछे आवाजें डालकर आकर्षक और सुनने लायक बनाया जाता है।

कई बार ऐसे संक्षिप्त वीडियो के पार्श्व की आवाजें भौंडी और चिढ़ पैदा करने वाली होती हैं। मगर ऐसा लगता है कि लोग इसे लेकर एक प्रकार की दुविधा में रहते हैं या फिर सहज हो रहे हैं। मसलन, जिस व्यक्ति को पड़ोस की रसोई से बर्तनों की खटपट की आवाज परेशान कर रही हो सकती है, वह सो नहीं पाता होगा, वही मोबाइल में चल रही रील की पृष्ठभूमि में अजीब-सी हंसी और ठहाकों तथा अन्य आवाजों को लेकर सहज रह सकता है। जबकि यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भले ही ऐसी रीलें लोगों के लिए मनोरंजन के साधन हैं, पर आसपास के लोग इनसे परेशान रहते हैं।

इस प्रवृत्ति के बढ़ते जाने की लत अब विचित्र दिखने लगी है। इस लत के जुनून में डूबा कोई व्यक्ति किसी दुर्घटना के दौरान अगर बच जाता है, तो वह वीडियो बनाने में मशगूल दिख सकता है। बात यहां तक जा पहुंची है कि घायल अवस्था में भी कुछ लोग ऐसे संक्षिप्त वीडियो को सोशल मीडिया पर डालते हैं और 'लाइक' और 'कमेंट' की बदौलत अपने साथ हुई दुर्घटना पर सहानुभूति जुटाने की कोशिश करते हैं। ऐसे कुछ लोग कराहते दिख सकते हैं और अपने कष्ट और मुसीबत को लेकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं।

इसके अलावा, आए दिन रील बनाने और देखने वाले लोग दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। वहीं एआइ के विस्तार के साथ लोग अब दुनिया की तबाही के रील भी बनाने लगे हैं। एआइ की मदद से आकाश से गिरती विशाल चट्टानें, चट्टानी ओलों की वर्षा से टूटते घर, तबाह होती सड़कें और तूफानों के भय से भागते लोग रील में दिखाए जा रहे हैं। तबाही के ऐसे वीडियो के बीच अजब-गजब-सी रीलों का दौर भी चल पड़ा है। आसमान से नोटों या जानवरों की वर्षा होती दिखाई देती है। ऐसे वीडियो से असल और नकल की पहचान गुम हो रही है।

कुल मिलाकर इस लत का जुनून लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। जमीनी स्तर पर इससे जुड़े कई अनुभव भयावह होते जा रहे हैं। लोग 'रियल' यानी वास्तविकता पर नहीं, 'रील' यानी आभासी पर भरोसा करने लगे हैं। 'रील सच है और रियल भ्रम' का भाव पनप रहा है! अब दुर्घटनाओं का दर्द महसूस नहीं होता। चौंक जाने का सुख गायब हो रहा है। रील का आभासी चित्रण, हकीकत के भाव को भंग कर रहा है, जिससे लोगों की तासीर बिगड़ रही है।

प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी- बदलती कृषि, बदलता उत्तर प्रदेश

(प्रणय विक्रम सिंह)

उत्तर प्रदेश की धरती पर उगता हर दाना केवल अन्न नहीं, बल्कि उस भारत की धड़कन है जिसे वर्षों तक नीतिगत नासमझी और व्यवस्थागत विकृतियों ने जकड़ रखा था। लखनऊ में आयोजित छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट शब्दों में उस जड़ता पर प्रहार किया, जिसने कृषि को केवल 'उत्पादन' तक सीमित कर दिया था। उन्होंने साफ कहा कि अब कृषि को प्रोडक्शन से प्रोडक्टिविटी, प्रोडक्टिविटी से प्रॉफिटेबिलिटी और प्रॉफिटेबिलिटी से प्रॉस्पेरिटी तक ले जाना होगा।

यह कोई भाषण नहीं, बल्कि उस सोच के विरुद्ध उद्घोष है जिसने किसान को केवल 'उत्पादक' बनाकर छोड़ दिया था, साझेदार नहीं।

उत्तर प्रदेश का यथार्थ स्वयं इस परिवर्तन का साक्ष्य है। देश की 16-17 प्रतिशत आबादी और मात्र 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि, फिर भी 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन। यह केवल परिश्रम का परिणाम नहीं, बल्कि उस राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण है जिसने पहली बार किसान को केंद्र में रखा। कृषि विकास दर का 8 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि जब नीति नीयत से जुड़ती है, तो परिणाम इतिहास बदलते हैं और जब नीति केवल घोषणा बनती है, तो किसान कर्जदार बनता है।

भारत की प्राचीन आर्थिक शक्ति का आधार कृषि था, जब किसान उत्पादक भी था और उद्यमी भी। लेकिन दशकों की अव्यवस्था ने उसे कच्चा माल देने वाला बना दिया।यही वह दौर था जब खेतों में अन्न उगता रहा, पर किसान के घर में अभाव पनपता रहा।

आज योगी सरकार उस विसंगति को चुनौती दे रही है। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और सैटेलाइट जैसी आधुनिक तकनीकें कृषि को अनुमान से विज्ञान की ओर ले जा रही हैं। अब खेत किस्मत से नहीं, आंकड़ों से चलते हैं और किसान परिस्थितियों से नहीं, तकनीक से निर्णय लेता है।

यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, मानसिकता का परिवर्तन है, जहां किसान अब केवल परिश्रमकर्ता नहीं, बल्कि प्रयोगकर्ता और निर्णायक बन चुका है।

डिजिटल क्रांति ने उस बिचौलिया तंत्र पर सीधा प्रहार किया है, जिसने वर्षों तक किसान की कमाई पर कब्जा बनाए रखा। 'वन नेशन-वन मंडी', मंडी शुल्क में कमी और डिजिटल सॉयल हेल्थ कार्ड, ये केवल योजनाएं नहीं, बल्कि उस शोषणकारी संरचना को तोड़ने के औज़ार हैं, जिसने किसान को बाजार से दूर रखा। 'लैब टू लैंड' से 'लैंड इज लैब' तक का सफर यह घोषित करता है कि अब खेत ही प्रयोगशाला है और किसान ही वैज्ञानिक।

गन्ना क्षेत्र इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। जो भुगतान वर्षों तक अटका रहता था, वह आज 6-7 दिनों में हो रहा है। 122 में से 107 मिलों का समयबद्ध भुगतान केवल प्रशासनिक दक्षता नहीं, बल्कि जवाबदेही का प्रमाण है। 55 प्रतिशत गन्ना उत्पादन, एथेनॉल में अग्रणी स्थान और ?3.15 लाख करोड़ से अधिक का डीबीटी भुगतान, ये आंकड़े नहीं, उस विश्वास की वापसी हैं जो वर्षों तक टूटा रहा। वर्ष 2017 से पहले व्याप्त अव्यवस्था, अविश्वास और बिचौलियों का बोलबाला, आज पारदर्शिता, तकनीक और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में बदल चुकी है। तब किसान लाइन में खड़ा था, आज प्रणाली उसके दरवाजे पर खड़ी है। तब फसल बिकती थी, पर लाभ नहीं मिलता था, आज उत्पादन के साथ सम्मान भी मिल रहा है। वैश्विक संकटों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कृषि आत्मनिर्भरता विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। आपूर्ति श्रृंखलाओं के टूटने, उर्वरकों की कीमतों के उतार-चढ़ाव और ऊर्जा संकट ने यह सिखा दिया है कि जो देश अपनी मिट्टी पर निर्भर नहीं, वह भविष्य पर भरोसा नहीं कर सकता। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश का मॉडल केवल राज्य का नहीं, राष्ट्र का मार्गदर्शक बनकर उभर रहा है। अब सवाल यह नहीं है कि कितना उत्पादन हुआ? सवाल यह है कि किसान कितना समृद्ध हुआ? यही वह मूल प्रश्न है, जिसका उत्तर योगी की कृषि दृष्टि देती है।

यह यात्रा केवल खेतों की हरियाली तक सीमित नहीं, बल्कि किसान के चेहरे की मुस्कान तक पहुंचती है। यह उस भारत की वापसी है, जहां अन्नदाता केवल पेट नहीं भरता, राष्ट्र की समृद्धि गढ़ता है। प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी तक का यह पथ ही वह सेतु है, जिस पर चलकर उत्तर प्रदेश न केवल कृषि में अग्रणी बनेगा, बल्कि 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने की दिशा भी तय करेगा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

तीन देशों के अहंकार में फंसी दुनिया, युद्ध नहीं, तेल-गैस की चिंता ने बढ़ाई वैश्विक बेचैनी

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां 'शक्ति ही सत्य है' की अवधारणा पुनर्जीवित हो गई है। दुनिया का सबसे धनी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सबसे बड़ा वित्तपोषक होने के नाते अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसे 'वैश्विक दारोगा' के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसे रोकने का साहस वर्तमान में किसी भी अंतरराष्ट्रीय इकाई के पास नहीं दिखता। संयुक्त राष्ट्र से लेकर विश्व बैंक तक, अधिकांश संस्थाएं अमेरिकी संसाधनों पर टिकी हैं। ऋण के जाल में फंसे देश हों या व्यापारिक समझौतों की बैसाखियों पर टिकी अर्थव्यवस्थाएं, कोई भी अमेरिका की नीतियों के विरुद्ध स्वर मुखर करने की स्थिति में नहीं है।

(विकेश कुमार बडोला)

इसी वर्चस्व की अगली कड़ी ईरान और अमेरिका-इजराइल के सैन्य संघर्ष के रूप में एक महीने से भी अधिक समय तक दिखती रही। मगर अब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम पर समझौता हुआ है। इसके बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि स्थायी शांति की राहें निकलेंगी।

यह सहमति बीते कई दिनों से जारी भीषण संघर्ष के बाद एक अहम मोड़ मानी जा रही है। इसकी मुख्य शर्तों के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होने वाले सभी सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए निलंबित करने की घोषणा की है। इसके साथ ही इजराइल ने भी ईरान के विरुद्ध अपने सैन्य अभियानों को रोकने पर सहमति जताई है। दूसरी ओर, ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोलने के लिए सहमत हो गया है। जहाजों की आवाजाही ईरानी सैन्य प्रबंधन के तहत होगी। इस समझौते में पाकिस्तान ने मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। ईरान ने जो दस सूत्री प्रस्ताव दिया है, यह समझौता उसी पर आधारित है, जिसे अमेरिका ने चर्चा के लिए स्वीकार किया है। इसमें ईरान पर प्रतिबंधों को हटाने और उसे मुआवजा देने जैसी मांगें शामिल हैं। हालांकि इजराइल ने स्पष्ट किया है कि उसकी कार्रवाई लेबनान के विरुद्ध जारी रह सकती है। यह समझौता ट्रंप द्वारा दी गई उस समय सीमा के खत्म होने से कुछ ही घंटे पहले हुआ, जिसमें उन्होंने ईरान की सभ्यता को पूरी तरह नष्ट करने की धमकी दी थी।

भूमध्य सागर के समीप खाड़ी क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा का हृदय स्थल है। यहां सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देश न केवल ऊर्जा के अग्रणी उत्पादक हैं, बल्कि अमेरिका के रणनीतिक साझेदार भी हैं। अमेरिका ने अपनी कूटनीति से इन देशों को अपने हितों के अनुरूप साध लिया है, लेकिन ईरान इस समीकरण में हमेशा उसके लिए एक कांटा बना रहा। उसके परमाणु अनुसंधान में लिप्त होने और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करने की आशंका अमेरिका के लिए सिरदर्द बनी हुई थी। समय के साथ अमेरिका का नेतृत्व बदला, तो डोनाल्ड ट्रंप के कड़े निर्णयों और दूसरों से अलग चलने की उनकी नीति ने इस सुलगती आग में घी का काम किया। फरवरी के अंतिम दिनों में इजराइल को ढाल बना कर अमेरिका ने जो मिसाइल हमला शुरू किया, उसने ईरान को सीधे युद्ध के मैदान में खींच लिया।

पिछले एक महीने से ज्यादा समय से पश्चिमी एशिया भीषण युद्ध का साक्षी है। अमेरिका ने ईरान के तेल और गैस संयंत्रों को निशाना बना कर उसकी आर्थिक रीढ़ तोड़ने की कोशिश की। इससे पूरी दुनिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति का ढांचा बुरी तरह ढह गया। ईरान ने भी बदला लेने की नीति अपनाई। प्रतिक्रिया स्वरूप उसने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर से होने वाली नियमित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को भी बाधित कर दिया। अब कुछ समय के लिए युद्धविराम से तेल संकट दूर होने की उम्मीद की जा सकती है।

पिछले कई दिनों तक चले युद्ध में सबसे विचलित करने वाली खबर ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और उनके परिवार से जुड़ी रही। अमेरिकी हमलों में खामेनेई, उनकी पत्नी और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के मारे जाने या गायब होने की खबरों ने ईरान में प्रतिशोध की ज्वाला को और भड़का दिया था। नए ईरानी नेतृत्व ने अपनी पूरी सैन्य शक्ति झोंकते हुए खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और ऊर्जा केंद्रों को भारी क्षति पहुंचाई। इजराइल और अमेरिका को भी इस युद्ध में ईरान से कम नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिका की कार्रवाई के पीछे चार मुख्य उद्देश्य स्पष्ट थे। पहला, परमाणु शक्ति पर अंकुश। ईरान को परमाणु संपन्न राष्ट्र बनने से रोकना। दूसरा, आतंकवाद का समूल नाश। अमेरिका की दृष्टि में ईरान समर्थित आतंकी गुट वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, जिन्हें वह जड़ से उखाड़ना चाहता है। तीसरा, सत्ता परिवर्तन। ईरानी जनता के एक वर्ग में खामेनेई शासन के प्रति असंतोष को भुना कर अमेरिका वहां एक 'अनुकूल' शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। चौथा, ऊर्जा संसाधनों पर आधिपत्य। अमेरिका का सबसे बड़ा उद्देश्य ईरान के विशाल तेल और गैस भंडारों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है, ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार की चाबी पूरी तरह उसके पास हो।

इस युद्ध का सबसे दुखद पहलू यह रहा कि तीन देशों के इस अहंकार में पूरी दुनिया की आर्थिक व्यवस्था और ऊर्जा श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ा। राहत की बात केवल इतनी रही कि अभी तक कोई चौथा देश प्रत्यक्ष रूप से युद्ध के मैदान में नहीं उतरा। न तो नाटो अमेरिका की ओर से खुल कर आया और न ही रूस या चीन ने ईरान के पक्ष में सीधे अपनी सेनाएं उतारीं। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए खाड़ी पर निर्भर हैं, वे तटस्थ रहे। भले ही रूस, चीन और उत्तर कोरिया प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में नहीं उतरे, किंतु उनकी भूमिका निष्क्रिय भी नहीं थी। वे अमेरिका और इजराइल को युद्ध रोकने की चेतावनी देते रहे।

दुनिया भर के देशों की मंशा को बारीकी से परखा जाए, तो एक कटु सत्य सामने आता है। अधिकांश देशों को इस बात से वास्तव में बहुत ज्यादा सरोकार नहीं दिखता कि अमेरिका को कितना नुकसान हुआ या ईरान में कितने लोग मारे गए। उनकी वास्तविक चिंता तेल और गैस की सुचारु आपूर्ति को लेकर है। दुनिया को डर है कि यदि ईरान ने प्रतिशोध में पूरे खाड़ी क्षेत्र के तेल कुओं को तबाह कर दिया, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का पहिया थम जाएगा। ईरान और खाड़ी क्षेत्र के ये संयंत्र केवल उन देशों की संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के सबसे बड़े केंद्र हैं। यदि यह स्रोत सूख गया, तो विकसित से लेकर विकासशील राष्ट्रों तक, सभी का राष्ट्रीय शासन और अर्थव्यवस्था ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगी।

युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं होता। ऊर्जा संयंत्रों के नष्ट होने से आने वाली कई पीढ़ियों की दुनिया अंधकार में डूब जाएगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत जैसे तटस्थ देश और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं आगे आएं और एक ऐसा व्यापक समाधान विकसित करें, जहां संप्रभुता का सम्मान हो और ऊर्जा संसाधनों का उपयोग युद्ध के हथियार के रूप में न किया जाए।

जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी, जिला पंचायत परिसर का हाल बेहाल, जिम्मेदार कौन?

जिला पंचायत परिसर में गंदगी का अंबार, स्वच्छता अभियान पर उठे सवाल

रायगढ़/मूक पत्रिका

दिया तले अंधेरा÷ की कहावत जिला पंचायत कार्यालय परिसर में साफतौर पर दिखाई दे रही है। जहां एक ओर शासन द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत जिले को साफ-सुथरा बनाने के लिए लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिला पंचायत परिसर में फैली गंदगी और कचरे के ढेर इस अभियान की हकीकत को उजागर कर रहे हैं। गौरतलब हो कि जिला पंचायत परिसर में प्लास्टिक कचरा, खाली शराब की बोतलें, डिस्पोजल गिलास और अन्य कचरा बिखरा पड़ा है। परिसर में कई स्थानों पर कचरे का ढेर जमा है, जिससे न केवल परिसर की स्वच्छता प्रभावित हो रही है बल्कि यहां आने वाले लोगों के सामने भी खराब छवि बन रही है।हैरानी की बात यह है कि जिस परिसर में जिला पंचायत का मुख्य कार्यालय संचालित होता है, वहीं शिक्षा विभाग, आरईएस विभाग सहित छात्रावास भी मौजूद हैं। इतने विभागों और अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद परिसर की सफाई को लेकर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही है।बताया जा रहा है कि परिसर में लंबे समय से कचरा जमा हो रहा है, लेकिन न तो इसकी नियमित सफाई हो रही है और न ही संबंधित अधिकारियों द्वारा इस पर कोई ध्यान दिया जा रहा है। इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि जब जिला स्तर के महत्वपूर्ण कार्यालय परिसर की यह स्थिति है, तो अन्य स्थानों पर स्वच्छता अभियान की स्थिति क्या होगी। नगर निगम प्रशासन की जिम्मेदारी भी इस मामले में सवालों के घेरे में है। नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जिला पंचायत परिसर में फैली गंदगी इन दावों की पोल खोल रही है। यदि समय रहते सफाई की व्यवस्था नहीं की गई तो यहां गंदगी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। जिला पंचायत परिसर में नियमित सफाई की व्यवस्था आवश्यक है साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए, ताकि स्वच्छता अभियान की वास्तविक मंशा जमीन पर भी दिखाई दे सके।

जिम्मेदार कौन?

शहर की सफाई व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की है, जबकि जिला पंचायत प्रबंधन को अपने परिसर की निगरानी और साफ-सफाई सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं परिसर में संचालित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि कार्यालय परिसर स्वच्छ रहे। इसके बावजूद परिसर में फैली गंदगी प्रशासनिक लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को उजागर करती है।

सहकारिता क्षेत्र को मिली नई ऊर्जा–मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 515 नवीन पैक्स सोसाइटी का किया वर्चुअल शुभारंभ

बस्तर संभाग में बने 39 नए सोसाइटी, किसानों को सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में बड़ा कदम

जगदलपुर /मूक पत्रिका

सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कैबिनेट मंत्रियों एवं विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदेशभर में 515 नवीन पैक्स सोसाइटी का वर्चुअल शुभारंभ किया, जहां सहकारिता मंत्री केदार कश्यप पश्चिम बंगाल से वर्चुअली शामिल हुए। इस अवसर पर बस्तर संभाग में कुल 39 नए पैक्स सोसाइटी का शुभारंभ किया गया, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि ÷सहकार से समृद्धि÷ के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह कदम ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि इन नई समितियों के शुरू होने से अब पूरे प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 2 हजार 573 हो गई है। उन्होंने प्रदेश के अन्नदाता किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक और सहकारिता के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे रही है, ताकि गांव और किसान समृद्ध बन सकें। जगदलपुर स्थित जिला सहकारिता केन्द्रीय बैंक में इस कार्यक्रम को लेकर उत्साह का माहौल रहा। बैंक के समस्त पदाधिकारी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और इस ऐतिहासिक पहल के साक्षी बने। बैंक पदाधिकारियों ने इसे सहकारिता क्षेत्र के विस्तार और किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर बताया। बैंक के अधिकारियों ने बताया कि नई पैक्स सोसाइटी और लैम्प्स के माध्यम से किसानों को ऋण, बीज, खाद एवं अन्य आवश्यक सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी। इससे न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान बैंक पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि यह पहल सहकारिता व्यवस्था को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाएगी तथा किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप कोंडागांव के अनंतपुर लैम्प्स से वर्चुअली शामिल हुए। जगदलपुर स्थित जिला सहकारिता केन्द्रीय बैंक में प्रमुख रूप से बैंक के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, संयुक्त आयुक्त सहकारिता एवं संयुक्त पंजीयक विनोद बुनकर, बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुंवर सिंह ध्रुव एवं अतिरिक्त प्रबंधक एसए रजा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ओवरलोड पिकअप पलटी, 22 23 लोग घायलः निजी वाहन से पहुंची मदद, 108 112 सेवा लेट

लैलूंगा (रायगढ़)/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के विकासखंड लैलूंगा क्षेत्र के गंजपुर और चिंगारी के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सवारियों से भरी एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें करीब 22 से 23 लोग घायल हो गए। घायलों में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि पिकअप में क्षमता से अधिक सवारियां भरी गई थीं, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और हादसा हो गया।हादसे की सूचना 108 एम्बुलेंस और 112 सेवा को दी गई, लेकिन समय पर सरकारी मदद मौके पर नहीं पहुंच सकी। इसके कारण घायलों को तत्काल उपचार मिलने में देरी हुई। इस दौरान क्षेत्र के सरपंच ने अपने निजी वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की, जिससे उन्हें समय पर इलाज मिल सका। लैलूंगा क्षेत्र में पिकअप जैसे माल वाहनों का सवारी के रूप में उपयोग लगातार बढ़ रहा है। ओवरलोडिंग के कारण इस तरह के हादसे सामने आ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर इस पर सख्ती नहीं होने से प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि अवैध सवारी ढुलाई पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए।

बरगांव में नई सहकारी समिति का लोकार्पण, किसानों को मिलेगी बड़ी राहत..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ जिले में सहकारिता के क्षेत्र में एक अहम पहल के तहत बरगांव में नवीन प्राथमिक शाख सहकारी समिति मर्यादित का लोकार्पण किया गया। प्रदेश में सहकारिता से समृद्धि अभियान के तहत 515 नई समितियों का वर्चुअल शुभारंभ किया गया, इसी क्रम में साल्हेओना सेवा सहकारी समिति अंतर्गत बरगांव समिति का शुभारंभ हुआ। क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही और जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक के हाथों भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पूजन के बाद फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

किसानों को मिलेगा सीधा लाभ–नई समिति बनने से क्षेत्र के किसानों को खाद वितरण से लेकर धान खरीदी तक की सुविधा अब स्थानीय स्तर पर ही मिलेगी। इससे किसानों को दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और समय के साथ खर्च की भी बचत होगी। इस समिति में 7 गांवों को शामिल किया गया है, जिससे व्यवस्थाएं बेहतर और सुगम हो सकेंगी।

जनप्रतिनिधियों ने रखी अपनी बात–कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही ने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा किसान हित में निर्णय लेती रही है। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय किसानों को केसीसी योजना से साहूकारों पर निर्भरता कम हुई, वहीं वर्तमान में किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को सालाना सहायता राशि दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को 0त्न ब्याज पर ऋण, मुफ्त बिजली और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जैसी योजनाएं सीधे लाभ पहुंचा रही हैं। वहीं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक ने कहा कि किसानों के हित के लिए वे हर मंच पर आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि नई समिति का गठन किसानों की सुविधा के लिए किया गया है, जिससे खाद उठाव और धान खरीदी की प्रक्रिया अब और आसान हो जाएगी।

जनप्रतिनिधियों और किसानों की रही मौजूदगी–कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक, जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा राधामोहन पाणिग्राही, जिला सोशल मीडिया प्रभारी चूड़ामणि पटेल, भाजपा मंडल मंत्री अजय पटेल, हितेश मालाकार, वरिष्ठ कृषक प्रेमकिशोर पटेल, डमरूधर पटेल, टेकचंद माली, उग्रसेन साहू, भुवनविजय मालाकार, अगनु पटेल, मित्रभानु मालाकार, ओंकार चौधरी, हेमन्त पटेल, गांधी पटेल, चैतन पटेल, चंदन पटेल, सेवा सहकारी समिति साल्हेओना के प्रबंधक बंशीधर पटेल, ऑपरेटर बासुदेव पटेल, वरिष्ठ लिपिक कन्हैयालाल पटेल, दया पटेल, अर्जुन पटेल, कुबेरचरण पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

रात 10 बजे के बाद लाखों का जुआ, चांपा पुलिस जानकर भी अनजान? सिवनी बालपुर में बेखौफ महफिल

चांपा थाना क्षेत्र में खुलेआम जुआ, रसूखदारों की मौजूदगी से कानून पर सवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के अंतर्गत चांपा थाना क्षेत्र के सिवनी-बालपुर गांव और कोरबा रोड क्षेत्र से देर रात अवैध जुए की गतिविधियों को लेकर गंभीर जानकारी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार यहां रोजाना रात करीब 10 से 11 बजे के बीच लाखों रुपये के जुए की महफिल सजने की बात कही जा रही है, जिसमें दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं। सूत्र बताते हैं कि इस जुए में चांपा के कुछ रसूखदार लोगों की मौजूदगी भी बताई जा रही है, जिससे पूरे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। सूत्र के अनुसार इस अवैध गतिविधि से क्षेत्र का माहौल बिगड़ रहा है और युवा वर्ग भी इसकी चपेट में आ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जुए की इस फड़ की जानकारी चांपा थाना को दी गई थी, इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। इसे लेकर नगर में चर्चाएं तेज हैं और लोग सवाल उठा रहे हैं कि सूचना के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से जल्द सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि अवैध जुए पर रोक लगाई जा सके और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे। लोगों को उम्मीद है कि प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पॉल इस मामले का संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देंगी। फिलहाल, खबर सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन क्या कदम उठाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर सारंगढ़ में प्रमुख जन गोष्ठी संपन्न, 'राष्ट्र निर्माण में संघ की भूमिका' पर हुआ मंथन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा पुष्प वाटिका में एक गरिमामयी प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। बुधवार, 15 अप्रैल 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ प्रांत के सह प्रांत प्रचारक नारायण नामदेव जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विषय 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष(शून्य से शतक)' रहा।

संघ के 100 वर्षः संघर्ष और सेवा की यात्रा –मुख्य वक्ता श्री नारायण जी नामदेव ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में संघ की स्थापना से लेकर अब तक की 100 वर्षों की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ÷संघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक अविरल साधना है। शताब्दी वर्ष हमारे लिए संकल्प का वर्ष है, जहाँ प्रत्येक स्वयंसेवक को समाज के हर वर्ग के साथ जुड़कर राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए कार्य करना है।÷ उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन जैसे विषयों पर भी बल दिया।

अतिथियों का सम्मान और गरिमामयी उपस्थिति –कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गुरुमाता सेत बाई रामनामी जी (अध्यक्ष, रामनामी समाज, छत्तीसगढ़ केंद्र चंदलीडीह) रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में समाज और संस्कृति के संरक्षण में संघ के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला संघचालक डॉ. फिरत राम निराला जी ने की। इस अवसर पर जिला संघचालक जी द्वारा मुख्य अतिथि गुरुमाता सेत बाई रामनामी जी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले के गणमान्य नागरिक, प्रमुख जन और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

वंदे मातरम के साथ समापन –कार्यक्रम का संचालन विधिवत पद्धति के साथ किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के साथ हुआ। गोष्ठी के पश्चात उपस्थित जनों ने राष्ट्रहित के कार्यों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

घरघोड़ा में जनगणना 2027 हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

भारत की आगामी जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से घरघोड़ा स्थित पीएम श्री सेजेस (क्कूसात्रढ्ढ स्तक्षस्) में आज दिनांक 15 अप्रैल 2026 से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम का शुभारंभ घरघोड़ा एसडीएम दुर्गा प्रसाद अधिकारी, तहसीलदार मनोज कुमार गुप्ता एवं नायब तहसीलदार सहोदर पैंकरा की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर एसडीएम दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए जनगणना के राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं, बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक योजनाओं की आधारशिला है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की वास्तविक स्थिति का सही एवं सटीक आंकलन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में घरघोड़ा तहसील के लगभग 150 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आगामी 01 मई 2026 से प्रारंभ होने वाले मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में जनगणना की प्रक्रिया, प्रपत्रों का सही उपयोग, डिजिटल माध्यमों का संचालन तथा आंकड़ों की शुद्धता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से पूरी निष्ठा, जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया, ताकि जनगणना 2027 को सफल बनाया जा सके।

सरकारी बोर तोड़कर गांव की रोकी प्यास, कोतरारोड थाने में शिकायत दर्ज

कुरमापाली में आरक्षक की दबंगई : ग्रामीण को बेरहमी से डण्डे से पीटा

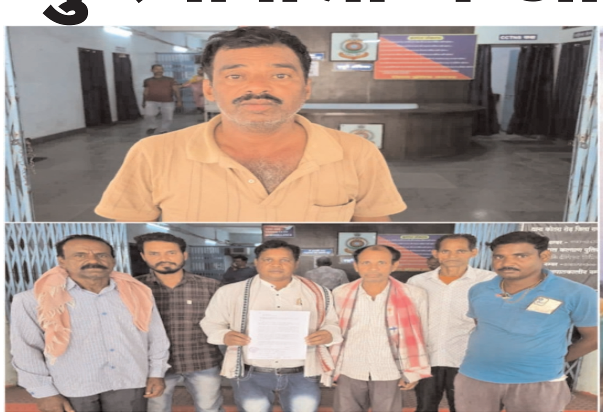

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिसिंग का एक नया चेहरा देखने को मिल रहा है। जब से एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कमान संभाली है, अपराधियों के हौसले पस्त हैं और आम जनता राहत महसूस कर रही है। लेकिन इसी विभाग के कुछ कर्मचारी अपनी कार्यप्रणाली से इस उज्ज्वल छवि को धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम कुरमापाली का है, जहां पुसौर थाने में पदस्थ एक आरक्षक ने एक ही रात में दो अलग-अलग घटनाओं को अंजाम देकर सनसनी फैला दी है। आरक्षक पर एक ग्रामीण के साथ मारपीट और शासकीय संपत्ति को भारी नुकसान पहुँचाने का गंभीर आरोप लगा है। आईए पूरा मामला

पहली घटना : घर के सामने ग्रामीण को डंडे से पीटा

कोतरा रोड थाने में दर्ज आधिकारिक शिकायत के अनुसार, ग्राम कुरमापाली निवासी बद्रीका साहू (47 वर्ष) ने न्याय की गुहार लगाई है। शिकायत के मुताबिक, 13 अप्रैल 2026 की रात लगभग 9:30 से 10:00 बजे के बीच जब वे अपने घर के सामने बैठे थे, तभी पुसौर थाने में पदस्थ आरक्षक डोल नारायण साहू अपने साथियों (विवेकानंद साहू, संतोष साव, तेनाली साव व अन्य) के साथ वहां पहुँचा। आरोप है कि आरक्षक ने बिना किसी कारण के प्रार्थी और उनके परिवार को भद्दी गालियां देनी शुरू कर दीं। जब बद्रीका साहू ने इसका विरोध किया, तो आरक्षक ने वर्दी का धौंस दिखाते हुए डंडे से उनकी कमर पर 5-6 बार घातक वार किए।

इस हमले में प्रार्थी को गंभीर अंदरूनी चोटें आई हैं। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि बीच-बचाव करने आई प्रार्थी की पत्नी विशाखा साहू और बेटी वेदकुमारी के साथ भी धक्का-मुक्की कर उन्हें सार्वजनिक रूप से गाली-गलौज करते हुए उन्हें अपमानित किया गया। पीड़ित ने बताया कि आरक्षक की पत्नी गायत्री साहू वर्तमान में ग्राम पंचायत कुरमापाली की सरपंच हैं।

इसी राजनीतिक रसूख और पद के प्रभाव का हवलदार डर दिखाता है। घटना वाली रात भी उसने प्रार्थी और उसके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

दूसरी घटना : शासकीय बोर में तोड़फोड़ कर गांव की रोकी प्यास

इस घटना का दूसरा पहलू और भी गंभीर है। ग्राम कुरमापाली के ग्रामीणों ने थाने में सामूहिक शिकायत दर्ज कराई है कि आरक्षक डोल नारायण साहू ने कथित तौर पर नशे की हालत में गांव की 'नल-जल योजना' को निशाना बनाया। आरोप है कि आरक्षक और उसके साथियों ने सार्वजनिक बोर के पाइपों को तोड़ दिया और विद्युत कनेक्शन के तारों को काटकर अलग कर दिया। भीषण गर्मी के इस दौर में सरकारी बोर क्षतिग्रस्त होने के कारण पूरे गांव की पानी की सप्लाई ठप्प हो गई है। ग्रामीण अब पानी की लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि एक लोक सेवक, जिसका कर्तव्य सरकारी संपत्ति की रक्षा करना है, उसने स्वयं उसे नष्ट कर जनता को मूलभूत अधिकार से वंचित कर दिया है। ग्रामीणों ने इस पूरी घटना से संबंधित एक वीडियो साक्ष्य भी उपलब्ध कराया है, जिसमें तोड़फोड़ की घटना देखी जा सकती है। यह वीडियो अब पुलिस के पास जांच का अहम हिस्सा है।

क्या कहतें हैं नागवंशी

केलो प्रवाह ने जब इस पूरे गंभीर मामले पर प्रशिक्षु डीएसपी और कोतरारोड़ थाना प्रभारी अजय नागवंशी से चर्चा की तो उन्होंने कहा , ÷फिलहाल मामले में शिकायत प्राप्त हुई है। यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में है और उनके निर्देशानुसार इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान जो भी तथ्य और साक्ष्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।÷ बहरहाल एक ओर जहाँ एसएसपी शशि मोहन सिंह के नेतृत्व में रायगढ़ पुलिस की साख बढ़ी है, वहीं इस तरह की घटनाएं विभाग के लिए चुनौती बनी हुई हैं। न्याय के लिए पीड़ितों ने कोतरा रोड थाने में गुहार लगाई है। मामला अब जांच के दायरे में है। अब देखना यह होगा कि वीडियो साक्ष्य और लिखित शिकायतों के बाद पुलिस प्रशासन अपने इस कर्मचारी पर क्या एक्शन लेता है। यह सवाल अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी। '

हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। '

उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है। '

हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है। ' हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं।

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर, हेली ने कहा कि अभियान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हो। खाड़ी के सहयोगी इस मकसद का समर्थन करते हैं। '

उन्होंने सुझाव दिया कि एक टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद यही बात होगी, इसे पूरा होने में लगभग एक हफ्ते से 10 दिन लगेंगे।' निक्की हेली ने इसे एक स्पेशल फोर्स मिशन बताया जो खतरनाक होगा।

हेली ने चीन और रूस पर ईरान की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चीन ने सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें सप्लाई की हैं। बीजिंग जल्द ही और एयर डिफेंस सिस्टम दे सकता है। '

उन्होंने सवाल किया कि क्या ट्रंप को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्लान की गई समिट पर आगे बढ़ना चाहिए। इसपर निक्की ने कहा, 'मुझे शक है कि समिट जारी रहनी चाहिए या नहीं। जब तक चीन ईरान को अपना सपोर्ट बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका को और सख्त रवैया अपनाना चाहिए। '

2024 के कैंपेन के दौरान ट्रंप की आलोचना करने के बावजूद, हेली ने कहा, 'वह हमारे दुश्मनों से मजबूती से निपट रहे हैं, कमजोर नहीं हैं। उनका तरीका कभी-कभी अफरा-तफरी मचा सकता है। '

इस दौरान निक्की ने घरेलू चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बढ़ता कर्ज देश में सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब देश के कर्ज और एंटाइटलमेंट प्रोग्राम पर दबाव की ओर इशारा किया।

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

सिएटल , एजेंसी। प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की अमेरिका में पहली आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है. अमेरिका के सिएटल शहर में स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर पर लगाई गई है. जो आने वाले दिनों में सिएटल पहुंचने वाले भारतीयों को एक अलग गौरव की अनुभूति कराएगा. स्वामी विवेकानंद की इस प्रतिमा को देखकर सहज ही उनकी 1893 की शिकागो यात्रा का यादें ताजा हो जाएगी. जब पहली बार स्वामी विवेकानंद वैश्विक रूप से चर्चा में आए थे. स्वामी के जीवन में शिकागो की इस यात्रा का बड़ा महत्व है. 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने हिंदू दर्शन की ऐतिहासिक व्याख्या की थी. स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है. भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया. सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है.'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है. सिएटल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने सिएटल की ''समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना'' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की.

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल ने रोमन गोफमैन को बनाया मोसाद का नया प्रमुख

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने रोमन गोफमैन को खुफिया एजेंसी मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल दिसंबर में गोफमैन को नामित करने की घोषणा की थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति के लिए गठित एक समिति ने रविवार को इस फैसले को मंजूरी दे दी। गोफमैन जून में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह एजेंसी के वर्तमान निदेशक डेविड बार्निया का स्थान लेंगे। 49 वर्षीय गोफमैन एक अनुभवी सैन्य जनरल हैं। वर्तमान में वह प्रधानमंत्री के सैन्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

पाकिस्तान को सऊदी अरब-कतर देंगे पांच अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को सऊदी अरब और कतर ने सहारा प्रदान करने का वादा किया है। दोनों देश खस्ताहाल पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, देश को महत्वपूर्ण समय में धन मिलने वाला है क्योंकि इस्लामाबाद इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के कमजोर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के लिए सऊदी अरब और कतर पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

पीएम बालेंद्र के खाते में 1.46 करोड़ रुपये

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। उनके बैंक खाते में 1.46 करोड़ नेपाली रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री बालेन शाह की पत्नी सविना काफ्ले के पास सोना, चांदी और हीरा-जवाहरात सहित दो किलो 216 ग्राम आभूषण हैं। सोना, चांदी और हीरे का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। संपत्ति विवरण में इन आभूषणों का स्रोत पैतृक बताया गया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने रविवार शाम प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया है। बालेंद्र शाह की आलोचना पर यूट्यूबर गिरफ्तार, विरोध के बाद छोड़ा नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन की आलोचना करने पर एक यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। भारी विरोध व जेन-जी आंदोलनकारियों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद उसे छोड़ दिया गया। हेड्स नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले रोशन पोखरेल को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था।

बीजिंग पहुंचे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस, संयुक्त अरब अमीरात-चीन रिश्तों को मिलेगी नई रफ्तार

बीजिंग, एजेंसी। अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नहयान चीन के आधिकारिक दौरे पर बीजिंग पहुंच गए हैं। यह दौरा दोनों देशों के बीच रिश्तों को और मजबूत करने और नए आर्थिक अवसर तलाशने के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और चीन के बीच पहले से मौजूद व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना है। दोनों देश खास तौर पर व्यापार, निवेश, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी और इंडस्ट्री जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय हालात को देखते हुए यह दौरा नए निवेश और विकास के रास्ते खोल सकता है। क्राउन प्रिंस के साथ एक बड़ा और उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद है। इसमें कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी शामिल हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए बातचीत करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों और निवेश योजनाओं पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह दौरा इस बात को भी दिखाता है कि यूएई खुद को एक बड़े वैश्विक व्यापार केंद्र और निवेश के महत्वपूर्ण गेटवे के रूप में स्थापित कर रहा है। वहीं चीन के साथ साझेदारी को मजबूत करके यूएई अपनी अर्थव्यवस्था को और ज्यादा विविध और मजबूत बनाना चाहता है। यह यात्रा सिर्फ एक औपचारिक दौरा नहीं बल्कि दोनों देशों के बीच आर्थिक, व्यापारिक और रणनीतिक रिश्तों को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

20 साल की लंबी कसौटी: नागरिकता पर दुनिया में सबसे कड़ा नियम बनाने की राह पर ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी। टिश सरकार प्रवासियों के लिए स्थायी निवास (आईएलआर) प्राप्त करने की प्रक्रिया को काफी कठिन बनाने की योजना बना रही है। यदि प्रस्तावित परिवर्तन लागू होते हैं, तो ब्रिटेन उच्च-आय वाले अधिकांश देशों की तुलना में अधिक प्रतिबंधात्मक हो जाएगा, और विशेष रूप से शरणार्थियों के लिए, यह एक ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसका समान देशों में कोई उदाहरण नहीं मिलता। ब्रिटेन की गृह सचिव, शबाना महमूद, का इरादा अधिकांश प्रवासियों के लिए स्थायी निवास प्राप्त करने की आवश्यक अवधि को पांच साल से बढ़ाकर दस साल करने का है। कुछ मामलों में, यह अवधि 20 साल तक जा सकती है। यह परिवर्तन उन लोगों को विशेष रूप से प्रभावित करेगा जिनके पूर्णकालिक रोजगार में होने की संभावना कम है, जिनमें वर्क वीजा धारकों के आश्रित, पारिवारिक वीजा धारक और शरणार्थी शामिल हैं। आय कम से कम तीन साल तक बनाए रखना शामिल है। दस साल की आधारभूत अवधि को व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर ऊपर या नीचे समायोजित किया जाएगा। उदाहरण के लिए, उच्च-कुशल श्रमिक, जिनमें एनएचएस के नर्स और डॉक्टर शामिल हैं, या जो 125,140 पाउंड से अधिक कमाते हैं, वे क्रमशः पांच या तीन साल के बाद योग्य हो सकते हैं। पारिवारिक वीजा पर रहने वाले (जैसे कि ब्रिटिश नागरिक से विवाहित) या एकीकरण के प्रयास करने वाले माने जाने वाले लोग, जैसे कि समुदाय में स्वयंसेवा करना, पांच से सात साल के बाद योग्य हो सकते हैं।

कोविड वैक्सीन ने ले ली हजारों जानें, दावे के समर्थन में उतरे एलन मस्क बोले- ऐसा लगा जान निकल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान जिस वैक्सीन को लेकर होड़ लगी हुई थी उसी को लेकर कई तरह के डरावने दावे भी किए जाते हैं। कोविड वैक्सीन को लेकर दावे करने वालों में अब एलन मस्क काभी नाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का दूसरा डोज लेने पर उन्हें लगा कि जैसे यह उन्हें मार ही देगी। बता दें कि फाइजर के एक पूर्व टॉक्सिकोलॉजिस्ट ने जर्मनी की संसद में दावा किया था कि द्वञ्ज वैक्सीन को मंजूरी ही नहीं मिलनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि इस कोविड-19 वैक्सीन की वजह से जर्मनी में हजारों लोगों की जान चली गई।

अमेरिकी बायोफार्मा कंपनी फाइजर के यूरोपीय सेंटर के पूर्व टॉक्सिकोलॉजी हेड ने भी इसी तरह का दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल की गई वैक्सीन बेहद खतरनाक है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। पिछळे सप्ताह इसे करोड़ों लोगों ने देखा। मस्क ने कहा कि इतने बड़े दावे को भी खबरों में हाइलाइट नहीं किया गया।

दुनियाभर में शुरू हो गई बहस: कोविड-19 वैक्सीन को लेकर इस तरह के दावे के बाद

पूरी दुनिया में इसको लेकर बहस शुरू हो गई। बता दें कि इस बात का दावा करने वाले डॉ. हेलमुत स्टर्ज ने दशकों टॉक्सिलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। इसमें पता लगाया जाता है कि कोई वस्तु कैसे इंसानों या फिर अन्य जीवों को प्रभावित करती है। 2007 में वह रिटायर हो गए थे। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टी की तरफ से उन्हें संसद में बुलाया गया था। उन्होंने वैक्सीन माफिया नाम की एक किताब भी लिखी। उनका कहना है कि शॉर्टकट तरीके से बिना पर्याप्त ट्रायल के ही वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई। स्टर्ज ने दावा किया कि इस वैक्सीन को मंजूरी देने से पहले पांच जरूरी प्रीकीनिकल सेफ्टी मेजर पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं फाजर-बायोएनटेक की वैक्सीन पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों को लगा दी गई। इस दावे को लेकर मस्क ने कहा कि दूसरा डोज लेने के बाद उनकी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा था कि जान निकल जाएगी।

स्टर्ज का मुख्य तर्क है कि जल्दबाजी में कोविड-19 वैक्सीन का प्रीक्लीनकल ट्रायल नहीं हुआ। भारत में एम्स की एक स्टडी में कहा गया था कि युवाओं में हार्ट अटैक से वैक्सीन को कोई लेना देना नहीं है। इसमें बताया गया था कि दिल की बीमारियां ही युवाओं में दो तिहाई मौतों का कारण है।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो एक्सआइवी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं।

ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था। '

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है। 'ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। ' पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं! ' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना। '

एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते। '

ट्रंप का विवादित सोशल मीडिया पोस्ट: अमेरिकी राष्ट्रपति ने खुद को जीसस की तरह दिखाया, पहले भी कर चुके हैं ऐसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप लियो ङ्खढ्ढङ्क पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नेतृत्व और विचारों पर सवाल उठाए। फ्लोरिडा से वॉशिंगटन लौटते समय ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट और पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वह पोप के काम से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि मैं पोप लियो का प्रशंसक नहीं हूं। वह बहुत लिबरल व्यक्ति हैं और अच्छा काम नहीं कर रहे। उन्होंने पोप पर रैडिकल लेफ्ट को खुश करने का आरोप भी लगाया। यह बयान उस समय आया जब पोप लियो ने हाल ही में टिप्पणी की थी कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव में सर्वशक्तिमान होने का भ्रम एक बड़ी वजह बन रहा है। इस बयान को ट्रंप की नीतियों पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पोप की आलोचना करते हुए लिखा कि पोप लियो अपराध के मुद्दे पर कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए खराब हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ऐसे पोप को पसंद नहीं करते जो यह मानते हों कि ईरान के पास परमाणु हथियार होना ठीक है। विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह खुद को यीशु मसीह जैसे रूप में दिखाते नजर आए। इस तस्वीर में वह एक बीमार व्यक्ति को स्पर्श करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग उन्हें श्रद्धा से देख रहे हैं। ट्रंप के हालिया पोस्ट पर लोगों की प्रतिक्रिया आ रही है, एक यूजर ने आलोचना करते हुए लिखा कि 'तुम लोगों को मारते हो, तुम झूठे भगवान हो'। दरअसल, यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने ऐसा किया है। पिछले दिनों व्हाइट हाउस में आयोजित ईस्टर लंच के दौरान ट्रंप का बयान चर्चा और विवाद का कारण बन गया था।

पूर्वी प्रशांत में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई; ड्रग तस्करी के शक में दो नावें उड़ाईं, पांच लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी दक्षिणी कमान के अनुसार, ये हमले शनिवार को उन समुद्री मार्गों पर किए गए जिन्हें ड्रग तस्करी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, सेना ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में मादक पदार्थ मौजूद थे या नहीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी वीडियो में देखा गया कि समुद्र में चल रही छोटी नावें अचानक तेज विस्फोट के साथ नष्ट हो गईं। अमेरिकी कोस्ट गार्ड को जीवित बचे व्यक्ति की तलाश और बचाव अभियान के लिए अलर्ट किया गया है, और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बताया गया है कि सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे हमलों में कम से कम 168 लोगों की मौत हो चुकी है। यह अभियान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद तेज हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका लैटिन अमेरिकी कार्टेल्स के साथ 'सशस्त्र संघर्ष' की स्थिति में है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ये हमले अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति और ओवरडोज़ से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जरूरी हैं। हालांकि, इस दावे को लेकर आलोचना भी हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका में पहुंचने वाला अधिकांश फेंटानिल मैक्सिको के रास्ते जमीन के जरिए तस्करी होकर आता है, जो चीन और भारत से आए केमिकल्स से तैयार किया जाता है। इन सैन्य कार्रवाइयों की वैधता और प्रभावशीलता पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि कई मामलों में ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने नाकाबंदी वाले दावे को दोहराया; होर्मुज में जहाजों की आवाजाही बाधित

वाशिंगटन, , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 प्वाइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 प्वाइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।'

उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।' हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है।'

ट्रंप ने नाकाबंदी वाले दावे को दोहराया: अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने पहले के दावे को दोहराया है कि अमेरिका पूर्वी समयानुसार सुबह 10 बजे (24:00 जीएमटी) से ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू कर देगा। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा: 'संयुक्त राज्य अमेरिका 13 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे पूर्वी समय पर ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने या बाहर निकलने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगा।' सेना ने एक बयान में कहा कि 41 वर्षीय अब्बास हसन कासिम को 'सेना कमांडर द्वारा कई पदक और प्रशस्तियां प्राप्त हुई थीं, जिन्होंने उन्हें कई अवसरों पर बधाई दी थी।' बयान में आगे कहा गया है कि कासिम विवाहित थे और उनके तीन बच्चे थे। अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत किसी भी समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिससे वैश्विक वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई। पाकिस्तान में हुई बातचीत का कोई नतीजा न निकलने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को घोषणा की कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी शुरू करेगी। इस घोषणा ने भू-राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया और कच्चे तेल की कीमतों को .100 प्रति बैरल के पार पहुंचा दिया। ब्रेंट क्रूड में लगभग 7.3% की उछाल देखी गई, जो .102 प्रति बैरल तक पहुंच गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि के कारण सोमवार को भारतीय शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखी गई। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के विफल होने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बाद निवेशकों के सेंटिमेंट पर नकारात्मक असर पड़ा, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को कारोबार के दौरान, निफ्टी 50 में 1.78% की गिरावट के साथ 23,620 अंक पर और सेंसेक्स में 1.83% की गिरावट के साथ 76,139.90 अंक पर कारोबार कर रहा था। यह गिरावट पिछले सप्ताह की उस तेजी के विपरीत थी।

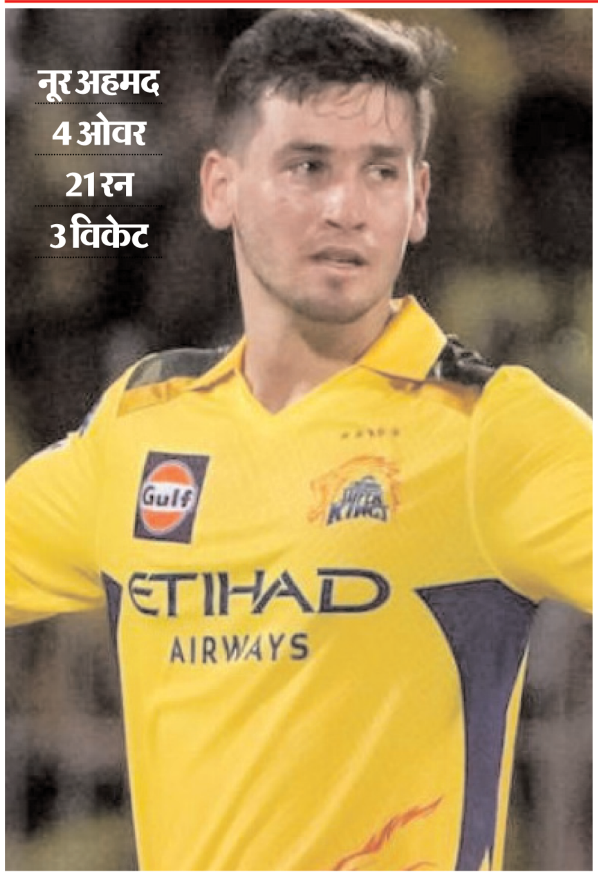

सीएसके ने केकेआर को 32 रनों से हराया

नूर अहमद ने की शानदार गेंदबाजी

मुंबई। आईपीएल 2026 में आज कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हो रहा है। दोनों टीमों का प्रदर्शन अब तक इस सीजन अच्छा नहीं रहा है और ये अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही हैं। आज देखना दिलचस्प होगा कि केकेआर जीत का खोल पाती है या नहीं।

सीएसके की जीत

नूर अहमद की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर सीएसके ने केकेआर को 32 रनों से हरा दिया है। सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में केकेआर की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन ही बना सकी। कोलकाता की टीम आईपीएल 2026 में अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है, जबकि सीएसके की यह लगातार दूसरी जीत है। केकेआर के लिए सबसे ज्यादा रन रमनदीप सिंह ने बनाए जो 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा रोवमैन पॉवेल 31 रन बनाकर नाबाद रहे। सीएसके की ओर से नूर अहमद ने तीन विकेट झटके, जबकि अंशुल कंबोज ने दो विकेट लिए। खलील अहमद और अकील हुसैन को एक-एक सफलता मिली।

केकेआर का स्कोर 100 के पार

केकेआर का स्कोर 100 रन के पार पहुंच गया है और रोवमैन पॉवेल के साथ रमनदीप बल्लेबाजी कर रहे हैं। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच साझेदारी पनप रही है।

रिंकू सिंह सस्ते में आउट

रिंकू सिंह एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए हैं। केकेआर ने 90 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए हैं। रिंकू सिंह को नूर ने आउट किया जो 12 गेंदों पर छह रन बनाकर आउट हुए।

ग्रीन खाता खोले बिना आउट

कैमरन ग्रीन खाता खोले बिना आउट हो गए हैं। नूर ने लगातार दूसरी गेंद पर केकेआर को झटका दिया है। नूर ने पहले रहाणे को आउट किया और फिर ग्रीन को बोल्ड कर पवेलियन की राह

दिखाई। नूर हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके।

सीएसके को चौथी सफलता

केकेआर को कप्तान अंजिक्य रहाणे के रूप में चौथा झटका लगा है। रहाणे नूर की गेंद पर आउट हुए। रहाणे 22 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए।

सैमसन ने 48 रन बनाए

सीएसके की पारी में संजू सैमसन ने 32 बॉल पर 4 चौके और 3 छक्कों के सहारे 48 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 29 बॉल पर 41 रन की पारी खेली। आयुष म्हात्रे ने 17 बॉल पर 38 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के मारे। केकेआर से कार्तिक त्यागी ने दो विकेट झटके। वैभव अरोरा, अनुकूल रॉय और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला।

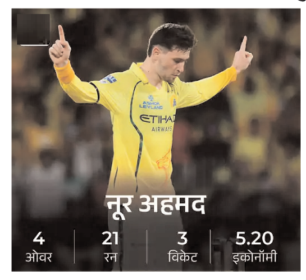

ब्रीफ न्यूज़

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु । आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर अपनी लय हासिल करना होगा।

पीएसएल ने मुज़ारबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगाया

लाहौर । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) ने बीच में ही करार तोड़कर जाने के लिए जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुज़ारबानी पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया है। मुज़ारबानी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने के एि पीएसएल छोड़ दिया था। मुज़ारबानी को शुरुआत में आईपीएल में किसी ने नहीं खरीदा था। इसके बाद वह इस्लामाबाद यूनाइटेड की ओर से पीएसएल में शामिल हो गये थे। इससे पहले पिछले सत्र में भी इसी प्रकार दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश पर भी पीएसएल ने एक साल का प्रतिबंध लगा दिया था। वह भी पीएसएल से आईपीएल चले गये थे।

माराडोना की मौत मामले में फिर जांच शुरू हो रही

मेडिकल टीम पर इलाज में लापरवाही के आरोप; पहला ट्रायल रद्द हुआ था

मुंबई। फुटबॉल दिग्गज डिएगो माराडोना की मौत के मामले की जांच दोबारा मंगलवार से शुरू हो रहा है। उनकी मेडिकल टीम पर सही इलाज न देने और लापरवाही बरतने के आरोप हैं।

मई 2025 में शुरू हुआ पहला ट्रायल उस समय रद्द कर दिया गया था, जब एक जज पर कोर्ट में बिना अनुमति डॉक्यूमेंट्री शूट कराने का आरोप लगा। अब नए जजों के सामने सुनवाई शुरू होगी।

माराडोना को फुटबॉल इतिहास के महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने 1986 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना को जीत दिलाई थी और 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के लिए भी जाने जाते हैं।

माराडोना की 25 नवंबर 2020 को 60 साल की उम्र में मौत हुई थी। वे ब्रेन

ब्लड क्लॉट की सर्जरी के बाद घर पर रिकवर कर रहे थे। पोस्टमॉर्टम में दिल का दौरा और फेफड़ों में पानी भरने को मौत की वजह बताया गया। माराडोना ने करियर में 312 गोल दागे

मैराडोना ने फुटबॉल करियर में 312 गोल किए। उन्होंने इंटरनेशनल करियर में 91 मैच खेले, जिसमें 34 गोल किए। मैराडोना बार्सिलोना, नेपोली, सेविला, नेवेल्स ओल्ड ब्यूऑयज और बोका जूनियर्स जैसे क्लब से खेल चुके हैं। बार्सिलोना से खेलते हुए उन्होंने 36 मैच में 22 और नेपोली के लिए 188 मैच में 81 गोल किए।

करियर में 11 टूर्नामेंट जीते

मैराडोना ने करियर में 11 टूर्नामेंट्स जीते हैं। इसमें 1 वर्ल्ड कप खिताब, एक UEFA कप खिताब, एक नेशंस लीग, एक FIFA वर्ल्ड यूथ चैम्पियनशिप और 5 नेशनल कप जीते हैं।

मैराडोना को फीफा प्लेयर ऑफ द सेंचुरी से भी नवाजा जा चुका है। उन्होंने एक बार वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल, एक बार बेलोन डी'ओर, 2 बार साउथ अमेरिकन फुटबॉलर ऑफ द ईयर, 6 बार नेशनल लीग टॉप स्कोरर अवॉर्ड जीता है।

फ्रेंच फुटबॉल की बदलती रवायत: खदानों के शहर से निकली 'अंडरडॉग' टीम आरसी लेन्स

लेन्स । यूरोपियन फुटबॉल में जब भी ताकत और पैसे की बात होती है, तो पीएसजी का नाम सबसे ऊपर आता है। कतर के सुल्तानों की दौलत और दुनिया के सबसे महंगे खिलाड़ियों से सजी यह टीम फ्रांस की लीग-1 पर राज करती है। लेकिन इस साल पीएसजी को चुनौती वह टीम दे रही है जिसे 'मजदूरों का क्लब' कहा जाता है। उत्तर फ्रांस के पूर्व खनन क्षेत्र से आने वाला आरसी लेन्स क्लब फुटबॉल की दुनिया में अंडरडॉग की नई परिभाषा लिख रहा है। लेन्स शहर कभी फ्रांस का प्रमुख खनन केंद्र हुआ करता था। क्लब का स्टेडियम दो पुरानी

कोयला खदानों के ऊपर बना है। जब खदानें बंद हुई, तो शहर ने भारी आर्थिक मंदी देखी, लेकिन फुटबॉल ने लोगों को जोड़े रखा। क्लब की परंपराएं अब भी उन मजदूरों को समर्पित हैं। जब भी कोई नया खिलाड़ी क्लब से जुड़ता है, उसे अनुबंध के साथ एक 'माइनर्स लैंप' (खदान में इस्तेमाल होने वाली लालटेन) दी जाती है।मैदान पर प्रदर्शन - अनुभवी खिलाड़ियों और युवा जोश का मेल

लेन्स की इस सफलता के पीछे उनके कोच पियरे सेज और अनुभवी खिलाड़ियों का बड़ा हाथ है। इस सीजन में फ्लोरियन थौविन क्लब के मुख्य चेहरा बनकर उभरे हैं। 33 साल के थौविन ने अब तक 10 गोल और 7 असिस्ट के साथ क्लब को वह आक्रामकता दी है, जिसकी उन्हें जरूरत थी। उनके साथ 28 वर्षीय ओडसन एडुआर्ड जैसे स्ट्राइकर ने टीम के आक्रमण को धार दी है। एडुआर्ड ने सीजन में सभी कॉम्पिटीशन में 13 गोल किए हैं और वे टीम के टॉप स्कोरर हैं।

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। 44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ

उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे।

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड और लीड्स यूनाइटेड के खिलाड़ी।

प्रफुल्ल हिंगे की कहानी: आईपीएल डेब्यू पर बेटे की सफलता से भावुक हुए पिता

मैकग्रा कनेक्शन ने निभाई अहम भूमिका

सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल में अपने डेब्यू मैच में ही प्रभावित किया। प्रफुल्ल आईपीएल इतिहास में पहले ओवर में तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। प्रफुल्ल की सफलता पर उनके पिता भी खुश हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मैच में धमाल मचा दिया। अपने आईपीएल करियर का पहला ओवर डालने आए प्रफुल्ल ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट झटक कर राजस्थान की पारी लड़खड़ा दी थी। सनराइजर्स हैदराबाद को मिली जीत में प्रफुल्ल हिंगे का योगदान सबसे अहम रहा जिन्होंने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए।

डेब्यू मैच में ही चमके प्रफुल्ल

प्रफुल्ल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच से आईपीएल में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें उस मैच में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला था क्योंकि वह इम्पैक्ट प्लेयर की लिस्ट में थे और मैदान पर नहीं उतरे थे। इस लिहाज से प्रफुल्ल का राजस्थान के खिलाफ मैच आईपीएल करियर का डेब्यू मुकाबला रहा। प्रफुल्ल अपने डेब्यू मैच में ही जलवा बिखेरने में सफल रहे और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

13 साल की उम्र में हुआ दाखिला

नागपुर के रहने वाले प्रकाश ने उस समय को याद किया जब उन्होंने अपने बेटे प्रफुल्ल की क्रिकेट में रुचि को देखते हुए उसे स्थानीय जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया था। तब वह लगभग 13 साल का था। प्रकाश ने कहा, मैं अपने मोहल्ले की गलियों में खेलता था। मेरे बेटे को इसमें रुचि थी, इसलिए मैंने उसे एक स्थानीय अकादमी में दाखिला दिला दिया। मैंने उसे जरूर संतुलन बनाए रखने के लिए कहा लेकिन साथ ही मैं उसे अपना रास्ता चुनने की स्वतंत्रता भी देना चाहता था। एक बार जब प्रफुल्ल विदर्भ की अंडर-16 टीम में शामिल हो गए, तो फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज प्रशांत वैद्य ने प्रफुल्ल को चेन्नई स्थित एमआरएफ पेस फाउंडेशन में भेजने की सलाह दी। तमिलनाडु के पूर्व बल्लेबाज सेंथिलनाथन ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मैकग्रा को श्रेय दिया, जिन्होंने प्रफुल्ल की मदद की थी। उन्होंने कहा, रणनीतिक पक्ष की बात करें तो मैकग्रा शायद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्हें पता है कि किस लेंथ और किस लाइन पर गेंदबाजी करनी है। नई और पुरानी गेंदों का उपयोग कैसे करना है। सबसे महत्वपूर्ण बात बड़े मैच के दबाव को कैसे संभालना है। ये वो चीजें हैं जो मैकग्रा सिखाते हैं, जो निश्चित रूप से उसके लिए मददगार साबित होंगी।

खुशी से झूम उठे प्रफुल्ल के पिता

प्रफुल्ल की सफलता पर उनके पिता प्रकाश हिंगे खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, उनके बेटे प्रफुल्ल की उपलब्धि का जश्न मनाते समय वह अपने शब्दों के चयन और उत्साह की अभिव्यक्ति में बहुत संयम बरतते हैं। दरअसल हिंगे परिवार को यह भी नहीं पता था कि उनका बेटा सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगा या नहीं। अकाउंटेंट के पद पर काम कर चुके प्रकाश ने कहा, हमें पता था कि इम्पैक्ट प्लेयर्स की सूची में होने के कारण उसे पंजाब के खिलाफ खेलना था। हम उससे कभी नहीं पूछते कि वह खेल रहा है या नहीं। वह सोने से पहले हर दिन रात 10 बजे फोन करता है। हमारे बीच बस सामान्य बातचीत होती है जैसे खाना खाया। कल जब मैच का प्रसारण शुरू हुआ तो हमने टीवी पर देखा कि वह डेब्यू करेगा, इसलिए हम खुश थे।

जिले में पेट्रोल, डीज़ल एवं एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों से बचने की अपील

कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश ङ्क सभी पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसियों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा में पेट्रोल, डीज़ल एवं रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन ने स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रित बताई है। प्रशासन के अनुसार जिले में ईंधन एवं गैस की आपूर्ति निरंतर, सुचारू और पर्याप्त मात्रा में की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की कमी या संकट की स्थिति नहीं है। जिले में संचालित सभी 75 पेट्रोल एवं डीज़ल पंपों पर नियमित रूप से ईंधन की सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है। पेट्रोलियम कंपनियों के समन्वय से प्रतिदिन आवश्यकतानुसार आपूर्ति की जा रही है, जिससे आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। इसी प्रकार जिले में कार्यरत 16 एलपीजी गैस वितरकों के माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की आपूर्ति लगातार जारी है। प्रशासन द्वारा पूर्व में ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गैस बुकिंग के गैप दिवस (त्ड्डश्च छ्ड्ड4ह्य) निर्धारित कर दिए गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से गैस उपलब्ध हो सके। इस व्यवस्था के चलते वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और संतुलन बना हुआ है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में उत्पन्न भू-राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं अन्य माध्यमों पर भ्रामक एवं अपुष्ट खबरें प्रसारित की जा रही हैं। इन खबरों का जिले की स्थानीय आपूर्ति व्यवस्था से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। इसके बावजूद अफवाहों के प्रभाव में आकर कुछ स्थानों पर लोग अनावश्यक रूप से पेट्रोल पंपों एवं गैस एजेंसियों पर भीड़ एकत्रित कर रहे हैं, जिससे अस्थायी दबाव की स्थिति बन रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल, डीज़ल एवं एलपीजी की किसी भी प्रकार की कमी नहीं है और सभी आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पूरी तरह सुनिश्चित है। कलेक्टर ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं गैस एजेंसी संचालकों को निर्देशित किया है कि वे आपूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, जमाखोरी या अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, संयम एवं धैर्य बनाए रखें तथा केवल आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन एवं गैस का उपयोग करें। अनावश्यक भंडारण या भीड़भाड़ से बचें, जिससे सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सुविधाएं मिल सकें।

प्रशासन द्वारा आवश्यक सेवाओं की 24म7 सतत निगरानी की जा रही है। संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखते हुए आपूर्ति श्रृंखला (स्ह्वश्चश्चद्य4 ष्द्धड्डद्बठ्ठ) को मजबूत बनाए रखा गया है, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। जिला प्रशासन ने यह भी आश्वस्त किया है कि आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी।

डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा में धूमधाम से मनाई गई डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती

बेमेतरा/मूक पत्रिका

क्षेत्र के एकमात्र सी बी एस ई विद्यालय डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिली।

विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन भी किए जिसके अंतर्गत कक्षा तीसरी से पांचवी तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, कक्षा छठवीं से आठवीं तक निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा कक्षा नवमी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी प्रतियोगिताओं का विषय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी एवं उनके योगदान रखा गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके महान कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान का निर्माता है, जिन्होंने देश में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई और शिक्षा को समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम बताया। विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को बाबा साहेब के विचारों से प्रेरणा लेकर शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में महान पुरुषों के जीवनी व जागरूकता, आत्मविश्वास एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होना अनिवार्य हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किए व सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय से शिक्षक ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल,आयुषी जैन,अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू,ममता चंद्राकर,अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल,लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव,स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव , भारती, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चन्द्रकाकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी,यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव आदि सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाए।

भव्य रूप से होगा अंबेडकर चौक का निर्माण : विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में बीते मंगलवार 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा शहर एवं ग्रामीण मंडल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर एवं नव निर्माणारत जिला न्यायालय के समीप भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि , विशिष्ट अतिथि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज जिला अध्यक्ष राजा लाल बंजारे, दयावंतधर बांधे, टॉपसिंह टंडन, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माधुरी राय, युगल देवांगन, गजानंद साहू, दोहाई वर्मा , डॉ विनय साहू, गोलू कोसले, होरीलाल सिन्हा , रेवाराम निषाद , मंचाशीन अतिथि श्रीमती मैना देवी माण्डले, प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भुवन दास जांगड़े, अधिवक्ता कोमल मानदेव, राजेश मारकंडे एवं समस्त भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन के साथ किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्पहार एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। आगे कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मार्ग दिखाया, जो आज भी हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव है। हम सभी का कर्तव्य है कि उनके बताए मार्ग पर चलते हुए एक समतामूलक एवं सशक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान विधायक दीपेश साहू ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शहर स्थित कलेक्ट्रेट के पास एवं नवीन निर्माणरत जिला न्यायालय के समीप अंबेडकर चौक का भव्य निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जिला मुख्यालय में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा सहित चौक निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे अब प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंबेडकर चौक का निर्माण जिले के लिए गौरव का विषय होगा और इससे आने-जाने वाले लोगों को बाबा साहेब के विचारों एवं संघर्षों से प्रेरणा मिलेगी। हमने वक्ताओं ने भी बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जीवन संघर्ष के अमूल्य योगदान के बारे में व्यक्त करते हुए उनके मार्गो पर चलने प्रेरित करते रहे। उक्त जानकारी भाजपा ग्रामीण मंडल अनुसूचित जाति मोर्चा बेमेतरा अध्यक्ष संदीप खरे ने दी।

बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से 48 हजार से अधिक उपभोक्त ाओं को राहत

दुर्ग रीजन में 14.90 करोड़ रुपए की छूट, अभियान जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के तहत दुर्ग रीजन (दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा) में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं किसानों को राहत देने के उद्देश्य से अभियान युद्ध स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इस जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत अब तक तीनों जिलों के 48 हजार से अधिक सक्रिय एवं निष्क्रिय उपभोक्ताओं को मूल बकाया राशि एवं अधिभार (सरचार्ज) में कुल 14 करोड़ 90 लाख 43 हजार रुपए की छूट प्रदान की जा चुकी है। योजना का मुख्य उद्देश्य बीपीएल श्रेणी के निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं एवं कृषि उपभोक्ताओं को आर्थिक संबल प्रदान करना है। योजना के तहत अब तक 30,414 निष्क्रिय उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं, वहीं पात्र 29,886 सक्रिय उपभोक्ताओं में से लगभग 61 प्रतिशत ने पंजीयन पूर्ण कर लिया है, जिससे योजना के प्रति उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। दुर्ग रीजन के 9 विद्युत संभागों में सर्वाधिक लाभ बेमेतरा संभाग (20,879) में मिला है। इसके अलावा साजा (6,221), अहिवारा (4,487), भिलाई पूर्व (4,397), बालोद (3,832), दुर्ग संधारण (2,561), पाटन (2,263), भिलाई पश्चिम (2,111) एवं दुर्ग शहर (1,976) संभागों के उपभोक्ता भी योजना से लाभान्वित हुए हैं। लाभान्वित उपभोक्ताओं द्वारा सक्रियता दिखाते हुए अब तक लगभग 1 करोड़ 45 लाख 42 हजार रुपए की बकाया राशि विभाग में जमा की जा चुकी है। सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने बताया कि योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए तीनों जिलों के 62 वितरण केंद्रों एवं 12 जोन में विशेष समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। विभागीय टीमें घर-घर जाकर उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी एवं प्रक्रिया से अवगत करा रही हैं।

उन्होंने अपील की है कि बीपीएल, एपीएल एवं कृषि श्रेणी के वे उपभोक्ता, जिनके 31 मार्च 2023 के पूर्व के बिजली बिल बकाया हैं, वे अपने नजदीकी वितरण केंद्र या जोन में पहुंचकर इस योजना का लाभ उठाएं। बकाया बिलों का निपटारा कर उपभोक्ता भविष्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर सकते हैं तथा बिजली कंपनी के सुदृढ़ीकरण में सहयोग दे सकते हैं।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2025-26 की तिथियों में बढ़ोतरी, विद्यार्थियों को राहत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जनजाति (स्ञ्), अनुसूचित जाति (स्ष्ट) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्रक्चष्ट) के विद्यार्थियों के लिए एक राहतभरी खबर सामने आई है। शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) की ऑनलाइन प्रक्रिया की अंतिम तिथियों में वृद्धि कर दी गई है। राज्य के शासकीय एवं अशासकीय आईटीआई, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग, मेडिकल, नर्सिंग, पॉलिटेक्निक तथा जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों के लिए यह निर्णय विशेष रूप से लाभकारी होगा। विभाग द्वारा बताया गया है कि बड़ी संख्या में लंबित ऑनलाइन आवेदनों को ध्यान में रखते हुए यह समयसीमा बढ़ाई गई है। नई निर्धारित तिथियां इस प्रकार हैं: ल ं ि ब त प्रस्ताव (क्क्रश्नश्चश्नह्यड्डद्य) लॉक कर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास को भेजने की अंतिम तिथि: 18 अप्रैल 2026- शासकीय संस्था/जिला कार्यालय द्वारा स्वीकृति आदेश (स्ड्ढठ्ठष्ह्लद्बश्ठ्ठ ह्रह्म्स्रद्गह्म्) की अंतिम तिथि: 20 अप्रैल 2026 जिला कार्यालय द्वारा भुगतान हेतु राज्य कार्यालय को प्रस्ताव भेजने की अंतिम तिथि: 22 अप्रैल 2026- विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन निर्धारित तिथियों के बाद किसी भी प्रकार के ड्राफ्ट प्रस्ताव या स्वीकृति आदेश को लॉक करने का अवसर नहीं दिया जाएगा। यदि तय समय सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं होती है और विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख की होगी। सभी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वे छात्रवृत्ति नियमावली के अनुसार समय पर प्रस्ताव एवं स्वीकृति आदेश भेजना सुनिश्चित करें।

नेशनल लोक अदालत 9 मई को, अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रचार-प्रसार तेज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा आगामी नेशनल लोक अदालत 09 मई 2026 के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के उद्देश्य से व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में एवं श्रीमती स्वर्णप्रभा यादव, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान जानकारी दी गई कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मामलों जैसे बैंक वसूली प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक/पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, राजस्व प्रकरण, चेक बाउंस मामले, विद्युत एवं जल कर से संबंधित प्रकरणों सहित अन्य सिविल व आपराधिक मामलों का आपसी सहमति से निराकरण किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों में पक्षकारों को न्यायालय शुल्क की वापसी की जाती है तथा निर्णय के विरुद्ध कोई अपील भी नहीं होती, जिससे समय एवं धन दोनों की बचत होती है। निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह हेतु छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के टोल फ्री नंबर 15100 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के दूरभाष नंबर 07824-299152 पर संपर्क किया जा सकता है। आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु पैरालीगल वॉलेंटियर्स के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा चौक-चौराहों पर होर्डिंग, फ्लेक्स एवं पंपलेट्स के जरिए अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिए 7

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं की अपील-नागरिक निभाएं अपनी जिम्मेदारी, दें सटीक जानकारी

जिले में जनगणना की तैयारियां तेज, सभी विकासखंडों में प्रशिक्षण पूर्ण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आगामी जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जनगणना से जुड़े सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य बताया और नागरिकों से इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील की।

सभी विकासखंडों में अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण-कलेक्टर ने जानकारी दी कि जिले के सभी विकासखंडों में जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इस प्रशिक्षण में प्रगणकों को घर-घर जाकर जानकारी संकलन की प्रक्रिया, नागरिकों से संवाद के तरीके, डेटा की सटीकता बनाए रखने तथा आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया गया है।

जनगणनाः विकास की योजनाओं की आधारशिला-कलेक्टर ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं है, बल्कि यह देश और राज्य के समग्र विकास की आधारशिला है।जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाएं तैयार की जाती हैं। इसलिए नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी की सटीकता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नागरिकों से सहयोग की अपील-कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि जब जनगणना प्रगणक उनके घर पहुंचे, तो वे परिवार के सभी सदस्यों, उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य आवश्यक विवरणों की सही जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिक किसी भी प्रकार के भ्रम में न आएं और जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

गोपनीयता का रखा जाता है पूरा ध्यान-प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जनगणना के दौरान एकत्रित की गई सभी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है और किसी भी प्रकार से इसका दुरुपयोग नहीं किया जाता।

राष्ट्र निर्माण में निभाएं अपनी भूमिका-कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने अंत में कहा कि जनगणना कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाकर नागरिक राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।उन्होंने सभी से जिम्मेदारीपूर्वक सहयोग करने और सटीक जानकारी साझा करने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।